दैनिक राष्ट्रीय जनवक्ता

लेख , कविताएं एवं विज्ञापन प्रकाशनार्थ आदि के लिए स्थानीय संपादक इफ्तेखार उद्दीन खान से संपर्क करें
मो. 9977442619
9425442435

राष्ट्रीय जनवक्ता

डाक पंजीयन क्रमांक मप्र/भोपाल/39/21-23 RNI. No.MPHIN/2005/24545

राजगढ़ जिले का प्रमुख दैनिक समाचार पत्र

दैनिक राष्ट्रीय जनवक्ता

लेख , कविताएं एवं विज्ञापन प्रकाशनार्थ आदि के लिए उप संपादक कमरूउद्दीन खान से संपर्क करें
मो. 9340636911
9425442435
आनंद एक्सीलेंस कॉलेज के सामने, वार्ड नं. 2, ब्यावरा (राजगढ़) मप्र

वर्ष-22 अंक- 01 (सांध्य दैनिक) राजगढ़, गुरुवार 10 जुलाई 2025 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रूपया

छांगुर बाबा की कोठी पर दूसरे दिन भी ऐक्शन

- गरज रहा है योगी का बुलडोजर चकाचौंध देख हर कोई हैरान

बलरामपुर (एजेंसी)। यूपी में धर्मांतरण के मास्टरमाइंड जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा की कोठी पर दूसरे दिन भी बुलडोजर चला। प्रशासन को कोठी के अंदर एक मिनी पावर हाउस मिला है। बाथरूम में भी विदेशी ब्रांड के सामान मिले हैं। इसके अलावा, कोठी के

अंदर एक घोड़ा भी बंधा मिला। छांगुर बाबा ने 6 जर्मन शेफर्ड कुत्ते भी पाल रखे थे, जिन्हें गांव वाले उठा ले गए थे। हालांकि, जब पुलिस ने सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी, तो गांव वालों ने कुत्ते वापस सौंप दिए। बलरामपुर के उतरौला में बुधवार सुबह 10 बजे प्रशासन की टीम बुलडोजर लेकर कोठी पर पहुंची।

आतंकी तहव्वुर की ज्यूडिशियल कस्टडी 13 अगस्त तक बढ़ी

- एनआईए ने सप्लीमेंट्री चार्जशीट भी दाखिल की

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एनआईए कोर्ट ने 26/11 मुंबई हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा की ज्यूडिशियल

कस्टडी 13 अगस्त तक बढ़ा दी है। वहीं, राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने बुधवार को राणा के खिलाफ सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की है। कोर्ट 13 अगस्त को इस चार्जशीट पर सुनवाई करेगा। ये राणा के खिलाफ दूसरी चार्जशीट है। इससे पहले 2011 में पहली चार्जशीट दायर की गई थी। इसमें एनआईए ने राणा को डेविड हेडली और अन्य आतंकवादियों के साथ 26/11 हमले का साजिशकर्ता बताया था।

जस्टिस यशवंत वर्मा से छिनेगा जज का पद!

- विपक्षी सांसद भी तैयार, प्लान बना रही सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकारी आवास में बड़े पैमाने पर कैश मिलने पर घिरे जस्टिस यशवंत वर्मा की कुर्सी छीनने की प्रक्रिया जल्दी ही आगे बढ़ सकती है। उनके खिलाफ सरकार महाभियोग प्रस्ताव को मंजूरी दे चुकी है और 21 जुलाई से

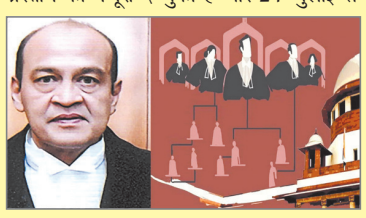

शुरू होने वाले मॉनसून सेशन में इसे पेश किया जाएगा। फिलहाल सरकार के लेवल पर इस बात को लेकर मंथन हो रहा है कि इसे राज्यसभा में पहले पेश किया जाए या फिर पहले लोकसभा से पारित करा लिया जाए। विपक्षी सांसद भी जस्टिस यशवंत वर्मा के महाभियोग प्रस्ताव पर समर्थन के लिए तैयार हैं। बस कांग्रेस की एक डिमांड यह है कि जस्टिस शेखर यादव पर भी महाभियोग लाया जाए, जिन्होंने विश्व हिंदू परिषद के कार्यक्रम में सांप्रदायिक बयान दिए थे।

एमपी में बिजली कंपनियों में 50 हजार पदों पर होगी भर्ती

मोहन कैबिनेट का बड़ा फैसला, 35 लाख किसानों को भी राहत

भोपाल। मोहन यादव कैबिनेट ने पूर्व, मध्य और पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनियों में 49 हजार 263 नए पदों को मंजूरी दी है। इस फैसले के बाद तीनों कंपनियों में नियमित पदों की संख्या 77,298 हो जाएगी। इससे कंपनियों के काम और पावर डिस्ट्रीब्यूशन में सुधार आएगा, तो संविदा और आउटसोर्स कर्मचारियों की संख्या घटेगी। कैबिनेट ने 35 लाख किसानों की 84.17 करोड़ रुपए सिंचाई जलकर ब्याज एवं पेनल्टी माफ कर दी है। सरकार किसानों से उड़द और मूंग खरीदने के लिए केंद्र सरकार को पत्र लिखेगी। केंद्र ने अभी कम मात्रा में खरीदी की मंजूरी दी थी, जिसे बढ़वाया जाएगा। कैबिनेट के फैसलों

की जानकारी देते हुए डिप्टी सीएम राजेंद्र कुमार शुक्ल ने बताया कि सरकार ने राजधानी के होटल लेक व्यू रेसिडेंसी को डिजाइन करने और निर्माण के साथ उसके संचालन, हस्तांतरण के आधार पर पीपीपी मोड पर सौंपने को मंजूरी पहले ही दी थी। अब यह तय किया गया है कि लीज के पंजीयन और स्टांप ड्यूटी की प्रतिपूर्ति (रीइंबर्समेंट) विभागीय बजट से की जाएगी। निवेश संवर्धन (इन्वेस्टमेंट प्रमोशन) के लिए यह तय किया गया है कि जो भी डेवलपर आएगा उसे प्रतिपूर्ति की सुविधा दी जाएगी। प्रदेश के 35 लाख किसानों पर कृषि सिंचाई जलकर के ब्याज और पेनल्टी के 84.17 करोड़ रुपए बकाया हैं। जल संसाधन विभाग लगातार तकादा लगा रहा था। अब सरकार ने तय किया है कि किसानों से यह राशि नहीं ली जाएगी। कैबिनेट ने राशि माफ करने की मंजूरी दे दी है। यह योजना साल 2026 तक रहेगी और सभी किसानों को एक साल में मूलधन की राशि जमा करने का मौका मिलेगा। वन विभाग की प्रतिकरात्मक वन रोपण निधि की वार्षिक कार्ययोजना को भी कैबिनेट ने मंजूरी दी है।

मूंग-उड़द की ज्यादा खरीदी के लिए केंद्र को पत्र लिखेंगे

प्राइस सपोर्ट स्कीम के तहत ग्रीष्मकालीन मूंग और उड़द की खरीदी के लिए सरकार की सिक्योरिटी, नुकसान की प्रतिपूर्ति और रबी सीजन 2024-25 में टारगेट से ज्यादा खरीदी गई ग्रीष्मकालीन मूंग की स्वीकृति पर कैबिनेट में चर्चा के बाद फैसला किया गया। इस दौरान 20 लाख टन मूंग खरीदी की संभावना है। भारत सरकार से 3.51 लाख मीट्रिक टन खरीदी की मंजूरी मिली है। कैबिनेट ने तय किया है कि भारत सरकार को पत्र लिखा जाए कि 8.57 लाख मीट्रिक टन खरीदी की मंजूरी केंद्र की ओर से दी जाए।

नर्मदा किनारे 16 जिलों में चलेगा पौधरोपण अभियान

- 7.5 लाख पौधे लगेंगे; 43 करोड़ खर्च करेगी सरकार, ड्रोन से होगी निगरानी

भोपाल। मध्यप्रदेश में 15 जुलाई से 'गंगोत्री हरित परियोजना' शुरू हो रही है। यह एक महीने तक चलेगी। इस दौरान नर्मदा नदी के किनारे बसे 16 जिलों में 7.5 लाख पौधे लगाए जाएंगे। इस काम पर करीब 43 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। परियोजना का मकसद नदियों के किनारे हरियाली बढ़ाना और पर्यावरण को बेहतर बनाना है। इसके लिए सरकार ने तय

किया है कि पौधे लगाने के लिए मनरेगा का 'सिपरी' नाम का सॉफ्टवेयर इस्तेमाल होगा। यह सॉफ्टवेयर बताएगा कि कहां पौधे लगाए जा सकते हैं। नर्मदा परिक्रमा मार्ग के पास की जमीन पर 233 स्थानों पर कुल 1000 एकड़ में पौधरोपण किया जाएगा। इसमें दो तरह के इलाके शामिल हैं। इन पौधों की देखरेख और निगरानी ड्रोन और सैटेलाइट से की जाएगी ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि पौधरोपण ठीक से हो रहा है। अनूपपुर, डिंडोरी, मंडला, जबलपुर, सिवनी, नरसिंहपुर, नर्मदापुरम, रायसेन, सीहोर, हरदा, देवास, खंडवा, खरगोन, धार, बड़वानी और अलीराजपुर। जहां पौधरोपण होगा, वहां यह भी देखा जाएगा कि पानी का इंतजाम है या नहीं। अगर किसी जगह पानी नहीं है या जमीन सही नहीं है, तो वहां पौधे नहीं लगाए जाएंगे। पौधों की सुरक्षा के लिए हर जगह तार फेंसिंग की जाएगी। पौधे लगाने से पहले गड्ढे की खुदाई और फेंसिंग का काम 14 जुलाई तक पूरा करना होगा।

राजस्थान के चूरू में जगुआर लड़ाकू विमान क्रैश

- गांव में दूर-दूर तक बिखरा नजर आया प्लेन का मलबा

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के चूरू में भारतीय वायु सेना का फाइटर जेट क्रैश हो गया है। सेना के सूत्रों के मुताबिक यह जगुआर फाइटर जेट है। इस हादसे में विमान के पायलट और को-पायलट शहीद हो गए हैं। मौके पर फाइटर जेट जैसा मलबा बिखरा पड़ा है। चूरू एसपी जय यादव ने बताया कि राजलदेसर थाना क्षेत्र

के गांव भाणूदा में प्लेन क्रैश हुआ है। इसमें दो लोगों की मौत हुई है। मौके पर राजलदेसर पुलिस को भेजा गया है। मलबे के पास से बुरी तरह क्षत-विक्षत शव के टुकड़े मिले हैं। बताया जा रहा है कि हादसे से पहले तकनीकी कारणों से पायलट इजेक्ट नहीं कर पाए। पिछले 5 महीनों में देश भर में तीन जगुआर क्रैश हो चुके हैं। सेना के सूत्रों के मुताबिक यह जगुआर फाइटर जेट श्रीगंगानगर के पास सूरतगढ़ एयरबेस से उड़ा था। यह जेट टू सीटर था, ट्रेनिंग के लिए इसका उपयोग किया जाता है। स्थानीय लोगों के मुताबिक उन्होंने पहले विमान की गड़गड़ाहट सुनी, फिर जोरदार धमाके की आवाज आई। इसके बाद प्रशासन को घटना की जानकारी दी गई।

नामीबिया पहुंचे पीएम मोदी यात्रा से बदलेगी तकदीर!

अफ्रीका का सऊदी अरब माना जाता है नामीबिया

विंडहोक (एजेंसी)। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार सुबह नामीबिया पहुंचे। ये दौरा इस लिहाज के खास है क्योंकि भारतीय पीएम 27 साल के बाद नामीबिया गए हैं। इस दौरान नामीबिया से यूरेनियम के निर्यात और तेल- गैस की खोज में सहयोग पर भारत का समझौता हो सकता है, जो इस दौरे की अहमियत को बढ़ा देता है। नामीबिया में भारत के उच्चायुक्त राहुल श्रीवास्तव ने कहा कि भारत नामीबिया से यूरेनियम का निर्यात करने और वहां हुई तेल-गैस की खोज में रुचि रखता है। ये भारत के लिए बड़ा फायदे का सौदा हो सकता है क्योंकि नामीबिया में कीमती खनिजों का बड़ा भंडार है। कई एक्सपर्ट नामीबिया को अफ्रीका

का सऊदी अरब तक कहते हैं। नामीबिया अफ्रीका एक छोटा देश है, जिसकी आबादी सिर्फ 30 लाख है। इसके बावजूद इसकी दुनिया में बहुत अहमियत है। इवकी वजह नामीबिया का तेल, गैस, यूरेनियम, तांबा, सोने और दूसरे खनिजों का भंडार है। नामीबिया दुनिया के बड़े तेल क्षेत्रों में से एक है।

भविष्य में बढ़ेगा नामीबिया का दबदबा

नामीबिया में 2,30,000 वर्ग किलोमीटर लाइसेंसी जमीन है, जबकि नॉर्वे में 100,00 वर्ग किलोमीटर से भी कम है। हालांकि यह क्षेत्र अभी बड़े पैमाने पर कम खोज वाला माना जाता है। यहां उत्तरी सागर और मैक्सिको की खाड़ी जैसे अपतटीय क्षेत्रों में हजारों की तुलना में केवल कुछ गहरे कुएं हैं लेकिन एक्सपर्ट आने वाले समय में तेजी से नामीबिया में खोज की सफलता बढ़ने की उम्मीद कर रहे हैं। अपतटीय तेल की खोज से अनुमान है कि 2035 तक नामीबिया दुनिया के अग्रणी तेल उत्पादकों की श्रेणी में आ जाएगा। माना जा रहा है कि अगले 12-24 महीने नामीबिया की तेल आकांक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण हों। 2026 में टोटलएनर्जीज बेसिन के व्यापक विकास की दिशा तय करेगा। इसी बीच ऑरेंज बेसिन में ड्रिलिंग और खोज का काम होगा। नामीबिया की अपतटीय तेल खोजें खासतौर से इस दशक में अफ्रीका के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा अवसरों में से हैं।

कर्मचारी हड़ताल

ट्रेड यूनियन्स का दावा सफल रहा आंदोलन

- देश भर में बैंक और डाकघर में काम पर असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। बैंक, बीमा, डाक और पब्लिक ट्रांसपोर्ट जैसी सर्विसेज 9 जुलाई को देश में कई जगहों पर प्रभावित रहीं। 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों और उनके सहयोगी संगठनों ने हड़ताल बुलाई थी। यूनियन का दावा है कि देशभर में 25 करोड़ कर्मचारी हड़ताल पर रहे। ट्रेड यूनियंस निजीकरण और 4 नए लेबर कोड्स के विरोध में हैं। ये केंद्र की उन नीतियों का विरोध कर रही हैं, जिन्हें वे मजदूर-विरोधी, किसान-विरोधी और कॉर्पोरेट समर्थक मानती हैं। पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे के मुताबिक देश में पब्लिक और प्राइवेट सेक्टर में 56 करोड़ कर्मचारी हैं। इसमें इनफॉर्मल सेक्टर में 50 करोड़ और फॉर्मल

सेक्टर में 6 करोड़ कर्मचारी हैं। पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी में तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं और ट्रेड यूनियन नेताओं के बीच भारत बंद को लेकर जोरदार भिड़ंत हुई। यह बंद लेफ्ट पार्टियों की ट्रेड यूनियनों ने बुलाया है। भारत बंद के दौरान दावा किया जा रहा था कि केंद्र सरकार आर्थिक सुधार ला रही है लेकिन ये मजदूरों के हक को कमजोर कर रहा है।

राष्ट्र विरोधी कंटेंट पोस्ट करने वालों के खिलाफ एनआईए

- बड़ी कार्रवाई की है तैयारी, बनाई जा रही है एक नई योजना

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनआईए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर राष्ट्र विरोधी सामग्री अपलोड करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की तैयारी कर रहा है। एनआईए खुफिया और साइबर सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर देश विरोधी कंटेंट अपलोड करने वालों के खिलाफ एक मजबूत तंत्र बना रहा है। जांच एजेंसियां कार्रवाई करने की तैयारी कर रही हैं क्योंकि आतंकी संगठन अक्सर कट्टरपंथ फैलाने के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करते हैं। हाल में ही, खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू, गैंगस्टर गोल्डी बरार और अन्य भारत विरोधी लोगों के ऑनलाइन वीडियो भारत सरकार द्वारा ब्लॉक किए गए हैं।

बारिश-बाढ़ से बेहाल हुए यूपी-एमपी और उत्तराखंड

अयोध्या में घरों में घुसा पानी, वाराणसी में घाट डूबे

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी में बुधवार को भारी बारिश जारी रही। अयोध्या में घरों में पानी भर गया है। प्रयागराज में बारिश के पानी में डूबने से 4 बच्चों की मौत हो गई। वाराणसी में दशाश्वमेध घाट और अस्सी घाट तक पानी पहुंच गया है। इसके चलते गंगा आरती का स्थान बदला गया है। मध्य प्रदेश में नर्मदा उफान पर है। मंडला, डिंडौरी, श्योपुर, शहडोल, उमरिया जिले बाढ़ की चपेट में हैं। छतरपुर के बान सुजारा डैम के 12 गेट खोले गए, दमोह में सतधरू-साजली बांध के 3-3 गेट खोले गए। वहीं, जबलपुर में बरगी डैम के 17 गेट खोले गए हैं। महाराष्ट्र के नागपुर में लगातार हो रही तेज बारिश के चलते न्यू नरसाला इलाके में घर और गाड़ियां पानी में डूब गईं। हालात को देखते हुए नागपुर नगर निगम ने राफ्ट

(नाव) की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया है। उत्तराखंड में मानसून जमकर बरस रहा है। मंगलवार को चमोली जिले के नंदप्रयाग घाट के पास मुख गांव में बादल फटने से तबाही मच गई। एनडीआरएफ ने बताया कि जनहानि की सूचना नहीं है।

एमपी में नए मुख्य सचिव को लेकर सुगबुगाहट शुरू

अगले माह रिटायर होंगे सीएस अनुराग और एसीएस कंसोटिया, राजौरा सबसे सीनियर

भोपाल। मध्यप्रदेश में रविवार रात (6 जुलाई) को 9 आईएएस अफसरों के ट्रांसफर आदेश जारी किए गए। इस फेरबदल के बाद नए मुख्य सचिव की सुगबुगाहट तेज हो गई है। मौजूदा मुख्य सचिव अनुराग जैन और अपर मुख्य सचिव जेएन कंसोटिया अगस्त में रिटायर होने वाले हैं। ऐसे में अगर मुख्य सचिव जैन को एक्सटेंशन नहीं मिलता है तो सीएम सचिवालय में अपर मुख्य सचिव रहे डॉ. राजेश राजौरा सबसे सीनियर आईएएस अफसर होंगे। दूसरी ओर, राजौरा के बैच की दिल्ली में पदस्थ महिला आईएएस अलका उपाध्याय ने भी भोपाल में अपनी दिलचस्पी बढ़ा दी है। 1989 बैच के आईएएस अधिकारी अनुराग जैन 11 अगस्त को 60 साल के हो रहे हैं। वहीं उन्हीं के बैच के एक अन्य आईएएस होम जेएन कंसोटिया 12 अगस्त को 60

साल की उम्र पूरी करेंगे। दोनों ही अधिकारियों ने 21 अगस्त 1989 को एक साथ आईएएस की नौकरी जॉइन की थी। इसलिए दोनों ही अधिकारी सर्विस रूल के हिसाब से 31 अगस्त को रिटायर होंगे। ऐसे में एमपी के नए मुख्य सचिव के पद को लेकर भी प्रशासनिक गलियारे में चर्चा शुरू हो गई है। इसे हवा तब मिली जब 6 जुलाई रविवार को सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश द्वारा अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री डॉ. राजेश राजौरा को सीएम सचिवालय से बाहर किया गया और उन्हें नर्मदा घाटी विकास विभाग का एसीएस और प्राधिकरण का उपाध्यक्ष बना दिया गया। यह विभाग पहले से राजौरा के पास है।

केंद्र की सहमति से तय होगा नया मुख्य सचिव

1 अक्टूबर 2024 को एमपी के मुख्य सचिव बने अनुराग जैन के कार्यकाल में एक्सटेंशन की चर्चा अभी सर्वाधिक है लेकिन मंत्रालय सूत्रों का कहना है कि अगर जैन को एक्सटेंशन नहीं मिलता तो राजौरा की दावेदारी सबसे अधिक होगी। जैन के सीएस बनने से पहले राजौरा का नाम फाइनल माना जा रहा था। सीएस के एक्सटेंशन का मामला केंद्र की अनुमति से ही होगा और अगर जैन को एक्सटेंशन नहीं दिया जाता है तो नए मुख्य सचिव के पद के लिए नाम भी केंद्र की सहमति से फाइनल होगा।

1990 बैच के हैं राजेश राजौरा, अलका उपाध्याय

अनुराग जैन और जेएन कंसोटिया के रिटायर होने पर प्रशासनिक मुखिया के पद के लिए एमपी कैडर के सबसे सीनियर अफसरों में 1990 बैच के डॉ. राजेश राजौरा का नाम है। इसके बाद दूसरे नंबर पर इसी बैच की अलका उपाध्याय का नाम भी है। अलका उपाध्याय वर्तमान में केंद्र में पशुपालन विभाग की सचिव के रूप में पदस्थ हैं। पिछले दो महीनों में जिस तरह से एमपी के दौरों को लेकर अलका उपाध्याय ने दिलचस्पी दिखाई है, इसके बाद यह कयास भी लगाए जा रहे हैं कि सीएस पद के लिए राजौरा की दावेदारी के साथ अलका उपाध्याय भी सक्रिय हैं।

संक्षिप्त समाचार

एक पेड़ मां के नाम अभियान का शुभारंभ

बैतूल (निप्र)। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के मेरा युवा भारत बैतूल के तत्वावधान में ÷एक पेड़ मां के नाम÷ अभियान का शुभारंभ सोमवार को कार्यालय कलेक्टर सभागार से किया गया। इस अभियान का शुभारंभ कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अक्षत जैन के करकमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं आमजन भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिला युवा अधिकारी श्रीमती सुषमा गवली, लेखा एवं कार्यक्रम पर्यवेक्षक श्री सी. आर. जंघेला, तथा धनंजय सिंह ठाकुर की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने अभियान की सराहना करते हुए पौधरोपण की महत्ता पर प्रकाश डाला। अधिकारियों द्वारा कार्यक्रम के अंतर्गत पौधे रोपने की जानकारी प्रदान की गई तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। अभियान का उद्देश्य पर्यावरण की रक्षा के साथ-साथ मातृ सम्मान को भावनात्मक रूप से जोड़ना है। कार्यक्रम में युवाओं से अपील की गई कि वे इस अभियान से जुड़कर अधिकाधिक संख्या में पौधे लगाएं और उन्हें सुरक्षित भी रखें।

कलेक्टर ने किसानों भ्रमण दल को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने उद्यानिकी तकनीकी के प्रशिक्षण के लिए सीहोर जिले के 30 किसानों के भ्रमण दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उल्लेखनीय है कि उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा राज्य पोषित योजनान्तर्गत 05 दिवसीय कृषक प्रशिक्षण सह भ्रमण के लिए जिले के 30 किसानों के दल को राजस्थान भेजा गया है। यह सभी कृषि राजस्थान के अलग-अलग स्थानों का भ्रमण करेंगे और उद्यानिकी तकनीकों का प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। इन सभी किसानों को कोटा के झालरपाटन स्थित उद्यानिकी महाविद्यालय, कोटा स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर सिट्रस, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर वेजिटेबल बूंदी, अजमेर स्थित राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान और अजमेर स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर अमरुद में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही राजहंस नर्सरी देवड़ाबाज एवं गुलाब उत्पादक कृषकों के प्रक्षेत्र का भ्रमण भी कराया जायेगा। इस दौरान सभी किसान फल, सब्जी, मसाला एवं पुष्प की खेती से सम्बधित नवीन तकनीकों के बारे मे सीखेंगे और यह समझेंगे कि उद्यानिकी की नवीन तकनीको को अपनाकर किस प्रकार आय में वृद्धि की जा सकती है।

अब निजी चिकित्सक देंगे हरदा के संजीवनी क्लिनिकों पर अपनी सेवाएं

कलेक्टर श्री जैन ने निजी चिकित्सकों से की चर्चा

हरदा (निप्र)। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में जिले के निजी चिकित्सकों से हरदा शहर के संजीवनी क्लिनिकों व पॉली क्लिनिक में अपनी सेवाएं देने के लिये चर्चा की। बैठक में निजी चिकित्सकों द्वारा भी संजीवनी क्लिनिकों पर अपनी सेवाएं देने के लिये सहमति व्यक्त की गई। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एच.पी. सिंह सहित निजी चिकित्सालय के चिकित्सक उपस्थित थे। बैठक में स्त्री रोग विशेषज्ञ रेवा नर्सिंग होम डॉ. मंजूषा परते ने प्रति गुरूवार प्रातः 10 से 12 बजे तक हरदा शहर के वार्ड क्र. 34 विकास नगर स्थित मुख्यमंत्री संजीवन क्लिनिक में अपनी सेवाएं देने के लिये सहमति व्यक्त की। इसी प्रकार स्त्री रोग विशेषज्ञ मानकर नर्सिंग होम डॉ. यामिनी मानकर ने प्रति गुरूवार प्रातः 10 से 12 बजे तक हरदा के वार्ड क्र. 31 बैरागढ़ स्थित संजीवनी क्लिनिक, डॉ. एम.एस. सेंगर एम.डी. मेडिसीन ने प्रति सोमवार प्रातः 10 से 12 बजे तक बैरागढ़ स्थित संजीवनी क्लिनिक, स्त्री रोग विशेषज्ञ बघेल हॉस्पिटल डॉ. यशली ठाकुर ने प्रति शुक्रवार प्रातः 10 से 12 बजे तक विकास नगर स्थित संजीवनी क्लिनिक तथा डॉ. राजेश गुर्जर एम.डी. मेडिसीन ने प्रति गुरूवार प्रातः 10 से 12 बजे तक दूध डेयरी हरदा स्थित संजीवनी पॉली क्लिनिक में अपनी सेवाएं देने के लिये सहमति व्यक्त की है।

भारत की अर्थव्यवस्था में उद्योग जगत का सबसे बड़ा योगदान: उपाध्यक्ष मोहन नागर

उद्योगों के विस्तार एवं कार्य पद्धति में सुधार के लिए कार्यशाला का आयोजन

बैतूल (निप्र)। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग मध्य प्रदेश की नोडल एजेंसी लघु उद्योग निगम और इंडस्ट्री पार्टनर लघु उद्योग भारती द्वारा बीआरसी क्लब ग्रीन सिटी इंडस्ट्रियल एरिया बैतूल में सोमवार को लघु उद्योग भारती के सहयोग से उद्योगों के विस्तार एवं कार्य पद्धति में सुधार के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष व राज्य मंत्री दर्जा श्री मोहन नागर, श्री सुधाकर पवार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अक्षत जैन, श्री मुकेश खंडेलवाल, श्री बालाराम साहू, श्री हकम सिंह रघुवंशी, श्री डीडी सेठिया, श्री पुरुषोत्तम कौशिक, श्री विनोद नायर, श्री देवेंद्र श्रीवास्तव उपस्थित थे। इस दौरान मुख्य अतिथियों ने भारत माता के छायाचित्र समक्ष द्वीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष श्री मोहन नगर ने कहा कि लघु उद्योग किसी भी देश की आर्थिक रीढ़ होते हैं। यही उद्योग न केवल रोजगार के अवसर बढ़ाते हैं, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था में उद्योग जगत का सबसे बड़ा योगदान है। गृह, लघु एवं कुटीर उद्योग से ही भारत सोने की चिड़िया बना था। जिन्हें अंग्रेजों ने आकर समाप्त कर दिया।

उन्होंने कहा कि अंग्रेजों के आने के पहले भारत का देश की अर्थव्यवस्था में योगदान 30 प्रतिशत था। अंग्रेजों के जाने के बाद देश की अर्थव्यवस्था में भारत का योगदान महज 5 प्रतिशत ही बच पाया। अंग्रेजों ने षड्यंत्र पूर्वक भारत के गृह, लघु एवं कुटीर उद्योगों को समाप्त कर दिया। उन्होंने कहा कि बैतूल में उद्योग भारती के द्वारा आयोजित सम्मेलन जिले के उद्यमियों के लिए स्वर्णिम अवसर है। जिले के उद्योगपति शासन की योजनाओं से अपने उद्योग को आगे बढ़ाए और नए उद्यमियों को भी प्रोत्साहित करें, जिससे हमारे भारत की अर्थव्यवस्था और अधिक मजबूत बन सके।

शासकीय योजनाओं का लाभ लेकर अपने उद्योग को आगे बढ़ाएं: कार्यशाला में श्री सुधाकर पवार ने कहा कि केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा उद्योगों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अनेकों योजनाएं चलाई जा रही है। शासन की योजना का लाभ लेकर उद्योग डाल रहे उद्योगपति आगे भी शासकीय योजनाओं का लाभ लेकर अपने उद्योग को अग्रिम ऊंचाई तक ले जाए और युवाओं को उद्योग के क्षेत्र में आने के लिए प्रोत्साहित करें, ताकि जिले में नए रोजगार के अवसर हो सके।

उद्योगों के विकास के लिए मप्र शासन दृढ़ संकल्पित

कार्यशाला में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अक्षत जैन ने कहा कि मध्य प्रदेश में लघु एवं कुटीर उद्योग का विकास हो और युवाओं को रोजगार मिल सके इसके लिए मध्य प्रदेश शासन दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने कहा कि विगत माह दिसंबर में होशंगाबाद में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया था। इसके बाद शासन द्वारा प्रदेश के हर जिलों में निवेश प्रोत्साहन समिति का गठन किया गया। समिति के माध्यम से उद्योगपतियों, निवेशकों को सरकार की योजनाओं की जानकारी मिल रही है और उनकी समस्याएं दूर हो रही है। इसी क्रम में लघु उद्योग भारती और जिला निवेश प्रोत्साहन संघ के माध्यम से जिले के उद्योगपतियों और निवेशक लाभान्वित होंगे। उन्होंने कहा कि जिला पंचायत के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में एसएचजी से स्टार्टअप अभियान शुरू किया गया है।

महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों ने दी जानकारी

जिला उद्योग एवं व्यापार केंद्र के प्रभारी महाप्रबंधक धीरज मंडलेकर ने बताया कि उद्योगों में प्रतिस्पर्धा, उत्पादकता, गुणवत्ता में सुधार एवं विस्तार तथा कौशल विकास उन्नयन के लिए आरएएमपी की कार्यशाला आयोजित की गयी जिसमे नवीन एमएसएमई प्रोत्साहन नीति 2025, एमएसएमई विकास नीति 2025 स्टार्टअप नीति 2025, एल ईएएन, जेड ईडी सर्टिफिकेशन, जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा जानकारी प्रदान की गई। अंबेश बलुआपुरी ने लघु उद्योग भारती के कार्य का विवरण व लघु उद्योग भारती द्वारा प्रदेश व देश में किए जा रहे कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि ये राष्ट्र का सबसे बड़ा संगठन है, जो लघु और माध्यम उद्योगों के लिए कार्य करता है।

पुर्नगठन आयोग के सचिव ने समीक्षात्मक सुझाव जानें

विदिशा (निप्र)। पुर्नगठन आयोग के सचिव सेवानिवृत्त आईएएस श्री अक्षय कुमार ने आज विदिशा जिला मुख्यालय पर बैठक आयोजित कर शासकीय कार्यो की व्यवस्थाओं में सुधार और दक्षता बढाने के उपायो को जाना। उन्होंने जिले में आयोजित पूर्व बैठक के परिपालन में और सुझाव प्राप्ति के कारगर उपायो पर संवाद किया है। कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता, अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर के अलावा विभिन्न विभागो के अधिकारी मौजूद रहे जबकि सभी एसडीएमो से वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से संवाद किया गया है। सचिव श्री अक्षय कुमार ने बताया कि आयोग का प्रमुख कार्य व्यवस्थाओं को कैसे बेहतर बनाना, इसके लिए लिए दक्षता और सुधार प्रमुख रूप से बढावा देना है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से सुझाव प्राप्त किए। प्राप्त सुझावो को कलेक्टर के माध्यम से लिखित रूप से आयोग को प्रेषित किए जाए। ताकि क्रियान्वित व्यवस्थाओं में बेहतर सुधार हो और आमजनो को उसका लाभ अविलम्ब प्राप्त हो सकें। इस दौरान व्यवस्थाओं के क्रियान्वयन में आने वाली दिक्कतो से तथा तकनीकी रूप से विभिन्न पोर्टलो पर दर्ज की जाने वाली जानकारियों में एकरूपता बनें के सुझाव सांझा किए गए है। बैठक में क्षेत्राधिकार और दक्षता बढाने के अनुभवो को सांझा किया गया ताकि सुधार कार्य स्पष्ट रूप से परलिक्षित हो। सचिव श्री अक्षय कुमार ने कहा कि शासकीय प्रक्रिया में दस्तावेंज अस्त व्यस्त ना हो। अधिकारी कर्मचारी स्वंय सुव्यवस्थित रहे ताकि हमारे सुधार दूसरो को परलिक्षित हो। उन्होंने नैतिक शिक्षा के आधार पर कहा कि सबसे पहले हम अपनी कार्यप्रणाली में सुधार लाए तभी हम दूसरो को सुधार लाने हेतु प्रेरित कर सकते है। आयोग को सुझावयुक्त ठोस प्रस्ताव प्राप्त होने पर उन्हें अमल में लाने से पहले सुझावकर्ताओं से संवाद किया जाएगा। उन्होंने पुर्नगठन आयोग की मंशा को रेखांकित करते हुए कहा कि आमजनो की अपेक्षाएं, क्षेत्राधिकार और अधिकारी, कर्मचारियों की दक्षता बढाने के सुझावों पर अमल करना है। विभिन्न प्रकार की परेशानियां दूर करने के लिए ग्रामीण विकास विभाग, राजस्व, ऊर्जा, जेल समेत अन्य विभागो के अधिकारियों द्वारा सुझाव सांझा किए गए है वहीं कार्यो की शीघ्रता के लिए विभिन्न पदो की नियुक्तियां करने से अवगत कराया गया है। पुर्नगठन आयोग के सचिव श्री अक्षय कुमार ने बैठक के अंत में सभी अधिकारी, कर्मचारियों को सीख देते हुए कहा की तनाव से स्वंय दूर रहे और आने वाले आमजनो को भी किसी भी प्रकार से तनावग्रस्त ना होने दें। जिले से जो सुझाव लिखित रूप में प्राप्त होंगे उन्हें आयोग के समक्ष रखा जाएगा। सचिव श्री अक्षय कुमार ने उपरोक्त बैठक के उपरांत विदिशा तहसील कार्यालय में पहुंचकर राजस्व अधिकारी, कर्मचारियों से संवाद किया है।

अस्पताल से छुट्टी के पहले नवजात शिशुओं को मिला जन्म प्रमाण पत्र

बैतूल (निप्र)। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंशानुरूप जिले में नवजात शिशुओं का जन्म प्रमाण पत्र उनकी माताओं को अस्पताल से छुट्टी मिलने से पहले ही प्रदान किया जा रहा है। यह पहल न केवल प्रशासन की तत्परता को दर्शाती है, बल्कि नवजात के अधिकारों की शुरुआत को भी मजबूत करती है। इसी क्रम में सोमवार को कलेक्टर श्री नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने जिला अस्पताल पहुंचकर श्रीमती नेहा कहार को उनके नवजात शिशु का जन्म प्रमाण पत्र सौंपा। श्रीमती नेहा को 4 जुलाई को अस्पताल में भर्ती किया गया था और सफल प्रसव के पश्चात 7 जुलाई को उन्हें डिस्चार्ज किया गया। शासन की मंशा के अनुरूप उन्हें छुट्टी से पूर्व ही उनके बच्चे का पहला कानूनी दस्तावेज सौंपा गया। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने कहा कि जन्म प्रमाण पत्र के बढ़ते महत्व को देखते हुए मध्यप्रदेश शासन ने यह निर्णय लिया। इस पहल से अब अभिभावकों को अपने बच्चे के जन्म प्रमाण पत्र के लिए अनावश्यक परेशान नहीं होना पड़ेगा। जिला अस्पताल में माताओं को जन्म प्रमाण पत्र त्वरित रूप से

देने की प्रक्रिया सतत जारी रहेगी। इस अभिनव प्रयास के अंतर्गत सोमवार को ही 11 अन्य माताओं को भी उनके नवजात बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र दिए गए। कार्यक्रम के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज हुरमाड़े, सिविल सर्जन डॉ. जगदीश घोरे, स्वास्थ्य विभाग का स्टाफ मौजूद रहा। सिविल सर्जन डॉ. जगदीश घोरे ने बताया कि माताओं को जन्म प्रमाण पत्र जल्द मिले, इसके लिए गंभीरता से कार्य करने के लिए संबंधित अस्पताल स्टाफ को ताकीद किया गया हैं।

हरदा के खाद्य प्रतिष्ठानों से तेल, घी, पास्ता व आलू मसाला के नमूने लिये

हरदा (निप्र)। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग के दल ने सोमवार को हरदा के प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य सामग्रियों के सैम्पल लिये। खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री राजेन्द्र कांबले ने बताया कि निरीक्षण के दौरान हरदा के श्रीराम ऑयल से तेल का सैंपल लिया। इसके अलावा अपना बाजार से घी के 3 सैंपल, श्रीनाथ चाइनीज़ पाव भाजी से पास्ता व मंचूरियन बॉल तथा पलक चाइनीज़ एंड ज्यूस सेंटर से आलू मसाला व सांभर के सैंपल लिए। उन्होने बताया कि ये सैंपल खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजे जायेंगे तथा जांच बाद रिपोर्ट के आधार पर कार्यवाही की जाएगी।

बीएलओ व सुपरवाइजर्स के प्रशिक्षण का किया निरीक्षण

हरदा (निप्र)। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने सोमवार को शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज हरदा में चल रहे बीएलओ व सुपरवाइजर्स के प्रशिक्षण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होने प्रशिक्षण में अनुपस्थित बीएलओ व सुपरवाइजर्स को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिये।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम हरदा श्री कुमार शानु देवड़िया उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि निर्वाचन आयोग के निर्देश पर निर्वाचक नामावली को त्रुटिरहित बनाने के लिये बीएलओ की क्षमता वृद्धि हेतु सभी बूथ लेवल आफिसर्स का विकासखण्ड स्तर पर प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है।

जन शिकायतों के निराकरण में कोताही न बरते : कलेक्टर श्री सूर्यवंशी

स्वास्थ्य कार्यक्रमों का प्रभावी और सफल क्रियान्वयन किया जाएं

बैतूल (निप्र)। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने सोमवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित समय सीमा की बैठक में विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अक्षत जैन और सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहें।सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की विभागवार समीक्षा कर कलेक्टर ने शिकायतों का संतुष्टि पूर्वक निराकरण कर प्रगति लाने के निर्देश सभी जिला अधिकारियों को दिए। उन्होंने प्रमुख रूप से जनजातीय कार्य विभाग, वाणिज्यकर, उद्यानिकी, लोक निर्माण विभाग, जल संसाधन, विज्ञान प्रौद्योगिकी, सामाजिक न्याय और श्रम विभाग के जिला अधिकारियों को शिकायतों प्राथमिकता से निराकरण करने की सख्त हिदायत दी। उन्होंने कहा कि 50 दिवस से अधिक की शिकायतों का भी जल्द निराकरण सुनिश्चित कराएं। जन शिकायतों के निराकरण में कोताही ना बरते। स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत संचालित आयुष्मान, टीबी उन्मूलन ,सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन, टीकाकरण, बाल मृत्यु दर, शिशु मृत्यु दर इत्यादि समस्त योजनाओं में कलेक्टर ने सभी बीएमओ से चर्चा कर मिशन मोड में कार्य करने और 100 प्रतिशत उपलब्धि हासिल करने के निर्देश दिए। देह दान और अंग दान के संबंध में भी शासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करने के निर्देश मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को दिए। उन्होंने पोषण पुनर्वास केंद्रों का संचालन, पोषण आहार वितरण, पोषण ट्रैकर इत्यादि महिला एवं बाल विकास अंतर्गत संचालित योजनाओं में प्रगति लाने के लिए जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास को निर्देशित किया।

संयुक्त संचालक श्रीमती गेदाम ने वन स्टॉप सेंटर का किया निरीक्षण

हरदा (निप्र)। संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग श्रीमती मोहनी गेदाम ने सोमवार को हरदा में संचालित वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण किया तथा वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक को आवश्यक निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास श्रीमती सीमा जैन भी उपस्थित थीं। निरीक्षण के दौरान उन्होने कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में जिले के परियोजना अधिकारी, ब्लाक समन्वयक व जिला समन्वयकों की बैठक लेकर आवश्यक निर्देश दिये। उन्होने बैठक में पोषण ट्रेकर एप पर एन्ट्री के कार्यो की भी समीक्षा की। श्रीमती गेदाम ने बैठक में निर्देश दिये कि ''एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान के

तहत जिले की सभी आंगनवाड़ियों में 5-5 पौधे लगाएं तथा पौधरोपण की फोटो वायू दूत प पर अपलोड करें। उन्होने सभी सुपरवाइजर को स्वयं फील्ड में जाकर पौधरोपण कार्य की मॉनिटरिंग करने के निर्देश भी दिये।

खाद्य पदार्थों के लिए जाएं नमूने, मिलावट पाए जाने पर की जाए कार्रवाई : कलेक्टर

मूंग उपार्जन केंद्रों पर सुनिश्चित की जाएं सभी आवश्यक व्यवस्थाएं - कलेक्टर

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में टीएल बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने विभिन्न विभागों के समय-सीमा प्रकरणों और सीएम हेल्पलाइन में लंबित प्रकरणों की समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने सभी विभागीय अधिकारियों से लंबित प्रकरणों की वस्तुस्थिति की जानकारी लेते हुए अधिक से अधिक मामलों का शीघ्रता से निराकरण करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने निर्देश दिए कि नेशनल हाईवे, रेल परियोजनाओं, सिंचाई सहित विभिन्न परियोजनाओं के लिए भू अर्जन, मुआवजा वितरण, अर्जित भूमि का नामांतरण एवं कब्जा दिलाने के कार्य में प्रगति लाई जाए। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित पेंशन प्रकरणो एवं आगामी माहों में सेवानिवृत्त होने वाले शासकीय सेवकों के पेंशन प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सेवानिवृत होने वाले अधिकारी-कर्मचारियों के सभी स्वत्वों एवं पेंशन का भुगतान सेवानिवृत्ति के साथ ही हो। उन्होंने निर्देश दिए कि शासकीय कर्मचारियों के सेवा अभिलेख सेवानिवृत्ति से पहले ही पूर्ण कर लिए जाएं।धरती आबा अभियान की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कहा कि सभी विभाग जिले के चिन्हित 80 ग्रामों में लगाए जा रहे शिविरों में जनजातीय वर्ग के सभी पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करना सुनिश्चित करें। उन्होंने इन ग्रामों के सभी नागरिकों के प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा, जीवन ज्योति बीमा तथा पीएम मानधन योजना के पंजीयन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि धरती आबा अभियान का जिले में गंभीरता से संचालन किया जाए। यह अभियान अभियान सरकार की प्राथमिकता वाला अभियान है जिसका उद्देश्य जनजातीय समुदायों का विकास और कल्याण करना है।

उन्होंने निर्देश दिए कि खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जिले में खाद्य पदार्थों के नमूने लिए जाएं और मिलावट पाए जाने पर संबंधित संस्थानो के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने निर्देश दिए कि वर्षाकाल के दौरान संभावित बाढ़ एवं आपदा से निपटने के लिए सभी संबंधित अधिकारी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। सभी अधिकारी सतर्क रहें और अपने अनुभाग एवं जनपदों में सतत संपर्क बनाए रखें। कहीं भी अतिवर्षा य जलभराव की सूचना मिलने पर तत्काल राहत एवं बचाव की कार्यवाही करें। उन्होंने निर्देश दिए कि नगरों में नाले-नालियों की नियमित साफ-सफाई कराई जाए, ताकि वर्षा के दौरान जलभराव न हो। इसके साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि पेयजल के लिए प्रदाय किए जा रहे जल की नियमित गुणवत्ता जांच की जाएं। बैठक में कलेक्टर श्री बालगुरू के. ने सभी एसडीएम को मूंग का सत्यापन कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने मूंग खरीदी के लिए बनाए गए उपार्जन केंद्रों में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करनें के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने जिले के आईटीआई, पॉलिटेक्निक कॉलेज तथा डिग्री कालेजों में क्षमतानुसार शत प्रतिशत सीटों पर प्रवेश कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्कूलों से 10वी एवं 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों की सूची प्राप्त कर यह सुनिश्चित करें सभी बच्चे अगली कक्षा में प्रवेश लें तथा कोई भी बच्चा ड्राप आउट न करें। उन्होंने कहा कि यदि कोई विद्यार्थी ड्रॉपआउट करना कर रहा है तो इसका कारण पता करें और उसे कॉलेज में एडमिशन के लिए प्रोत्साहित करें।

संक्षिप्त समाचार

बिना रजिस्ट्रेशन के खाद्य व्यवसाय करने पर 25 हजार रूपये का अर्थदण्ड

शाजापुर (निप्र)। न्याय निर्णयन अधिकारी एवं अपर जिला दण्डाधिकारी श्री बी.एस. सोलंकी ने शाजापुर नगर के हॉट मैदान स्थित जय शिव साँची पार्लर खाद्य कारोबारकर्ता लखन पिता हरिनारायण विश्वकर्मा पर बिना रजिस्ट्रेशन के खाद्य व्यवसाय करने का दोषी पाये जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2005 नियम 2011 की धारा-49 के तहत 25 हजार रूपये का अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया है।उल्लेखनीय है कि विगत 03 सितम्बर 2024 को तत्कालीन खाद्य सुरक्षा अधिकारी एवं राजस्व अधिकारी के साथ उक्त प्रतिष्ठान का निरीक्षण किया गया था।

श्री महाकालेश्वर भगवान की सवारियों में सम्मिलित होने वाली भजन मंडलियों की बैठक सम्पन्न

उज्जैन (निप्र)। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के उप प्रशासक श्री सोनी और सहायक प्रशासक श्री मूलचंद जूनवाल ने श्री महाकाल महालोक के कंट्रोल रूम में श्री महाकालेश्वर भगवान की सवारी में सम्मिलित होने वाली भजन मंडली के प्रमुखों की बैठक आयोजित की।बैठक में सभी 09 भजन मंडलियों को निर्देशित किया गया कि सभी सीमित संख्या में व ड्रेस कोड मे सवारी में शामिल होंगे। सवारी में झांकी, शोभा रथ, डी. जे. आदि प्रतिबंधित रहेंगे। सवारी में अधिकृत भजन मंडलियों को ही प्रवेश की अनुमति रहेगी। भजन मंडलियों का स्वरूप सवारी के वैभव अनुरूप होना चाहिए। सवारी में सम्मिलित होने वाली अनुमति प्राप्त भजन मंडली को निर्धारित समय से पूर्व उपस्थित रहने के निर्देश दिए है।

कलेक्टर श्री सिंह के निर्देश पर बुजुर्ग दंपत्ति त्वरित राशन प्राप्त हुआ

उज्जैन (निप्र)। उज्जैन के गांधीनगर, आगर रोड निवासी श्री नंदकिशोर सेंगर की आयु लगभग 80 वर्ष हो चुकी है। उनके राशनकार्ड में वे एवं उनकी पत्नि का नाम शामिल हैं। दोनों की अधिक उम्र होने के कारण उनकी उंगलियों के द्वारा ई केवाईसी नहीं हो पा रही थी। उल्लेखनीय है कि शासन द्वारा सभी राशन कार्डधारी हितग्राहियों की ई केवाईसी करना अनिवार्य किया जा चुका है। ई केवाईसी के कारण राशन प्राप्त न होने की वजह से वह परेशान हो रहे थे उन्होंने जनसुनवाई में राशन प्राप्त न होने का आवेदन दिया। इस पर कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए जिला आपूर्ति नियंत्रक श्रीमती शालू वर्मा को संज्ञान लेने हेतु निर्देशित किया । इस पर कार्यवाही करते हुए आपूर्ति नियंत्रक श्रीमती वर्मा के द्वारा हितग्राही की जनसुनवाई के दौरान ही आंखों की पुतलियों के द्वारा स्कैन कर ई केवाईसी की गई व उन्हें कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री नागेश दायमा के द्वारा विगत तीन माह का त्वरित राशन प्रदान किया गया। केवाईसी होने पर एवं राशन प्राप्त होने पर श्री नंदकिशोर सेंगर की बहु श्रीमती सोनू सेंगर के द्वारा शासन एवं राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया गया है ।

कलेक्टरने जनसुनवाई में समस्याओं को सुना और निराकरण के लिये संबंधित अधिकारियों को दिये निर्देश

धार (निप्र)। कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा ने मंगलवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के निराकरण के लिए निर्देश दिए। इस दौरान संयुक्त कलेक्टर श्री शाश्वत शर्मा, श्री जगदीश मेहरा ने भी आवेदकों की समस्याओं को सुना। इस जनसुनवाई में कुल 122 आवेदन प्राप्त हुए। इस जनसुनवाई में अधिपत्य की भूमि में अवैध कब्जा करने, तहसील गंधवानी की ग्राम पंचायत चुनप्या के 8 मजरों को राजस्व ग्राम का दर्जा देने बाबद, प्रायवेट स्कूल में प्रवेश दिलवाने, सेवानिवृत्त होने पर ग्रेज्युवेटी एवं पीएम की राशि दिलवाने, प्रधानमंत्री आवास योजना की द्वितीय किश्त दिलवाने, आर्थिक सहायता राशि दिलवाने, अनुकम्पा नियुक्ति दिलवाने, शासकीय नवीन प्राथमिक विद्यालय कुम्हारपाट दसाई में दो अतिरिक्त कक्ष एवं बाउण्ड्रीवाल स्वीकृत करने, विद्युत लाईट की समस्या दूर करने, सीमांकन करवाने, कृषि भूमि में जलभराव की निकासी करने, जाति प्रमाण पत्र, पेंशन फार्म एवं संबल योजना के आवेदनों पर सरपंच, सचिव द्वारा हस्ताक्षर नहीं करने, तालाब से मुरम निकालने पर ट्रेक्टर के भाड़े की राशि दिलावाने, शासकीय भूमि में अवैध कब्जा करने, इत्यादि विभिन्न समस्याओं एवं मांग संबंधी आवेदन प्राप्त हुए। जिन्हे निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निराकृत करने के निर्देश दिए गए।

वैदिक उदघोष के साथ होगा श्री महाकालेश्वर भगवान की प्रथम सवारी का स्वागत

उज्जैन (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरूप भगवान श्री महाकालेश्वर की सवारी को अधिक भव्य रूप देने हेतु प्रत्येक सवारी में अलग-अलग थीम रखी गई है, जिसमें प्रथम सोमवार को निकलने वाली श्री महाकालेश्वर भगवान की सवारी में भगवान श्री मनमहेश के स्वरूप में रजत पालकी में विराजित होकर अपने भक्तों को दर्शन देंगे ।भगवान श्री महाकालेश्वर जी की सभी सवारियाँ पूर्ण वैभव के साथ नगर भ्रमण पर निकलती है, इसी क्रम में श्री महाकालेश्वर भगवान की प्रथम सवारी 14 जुलाई को वैदिक उद्घोष कार्यक्रम होगा। प्रथम सवारी के अवसर पर श्री महाकालेश्वर जी की सवारी का क्षिप्रातट पर पूजन के दौरान 500 से अधिक वैदिक बटुकों द्वारा वैदिक मंत्रों से उदघोष के रूप में अर्चण किया जावेगा। माँ क्षिप्रा के तट पर दोनों ओर दत्त अखाड़ा क्षेत्र व रामघाट क्षेत्र में उज्जैन में संचालित 25 गुरूकुलों के 500 से अधिक बटुकों द्वारा वेद उदघोष किया जावेगा। इसी क्रम में वैदिक उदघोष के निमित्त आज 25 गुरूकुलों के प्रबंधक-आचार्यों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी आचार्यों को सवारी के दौरान होने वाले वेदघोष के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किये गये साथ ही मंत्रों का चयन कर उनके क्रम का भी निर्धारण किया गया, बटुकों को दत्त अखाड़ा क्षेत्र व रामघाट पर पहुंचाने हेतु बसों की व्यवस्था शिक्षा विभाग के माध्यम से किये जाने के निर्देश प्रदान किये गये। बैठक में सहायक प्रशासक श्री गिरीश तिवारी, प्रभारी निदेशक डॉ. पीयुष त्रिपाठी, व उज्जैन के 25 गुरूकुलों के प्रबंधक-आचार्य उपस्थित थे।

रेलवे अंडर ब्रिज का निर्माण कार्य तत्काल चालू करें: मंत्री श्री सिलावट

रेलवे, नगर निगम, ट्रैफिक पुलिस आदि विभाग समन्वय के साथ कार्य करें

जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट की अध्यक्षता में सिंगापुर टाउनशिप रेलवे अंडर ब्रिज को लेकर बैठक आयोजित

इन्दौर (निप्र)। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट की अध्यक्षता में सिंगापुर टाउनशिप रेलवे अंडर ब्रिज को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर कलेक्टर श्री रोशन राय, नगर निगम के अपर आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा, श्री अभय राजगांवकर, अधीक्षण यंत्री श्री डीआर लोधी, विजय नगर एसीपी श्री आदित्य पटले, अनुविभागीय अधिकारी सांवेर श्री घनश्याम धनगर, अनुविभागीय अधिकारी जूनी इंदौर के श्री प्रदीप सोनी, एसीपी ट्राफिक श्री मनोज खत्री, लसूड़िया थाना प्रभारी श्री तारेश कुमार सोनी सहित रेलवे, नगर निगम, ट्रैफिक पुलिस एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने रेलवे अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सिंगापुर टाउनशिप के पास स्थित रेलवे अंडर ब्रिज के पास ट्रैफिक समस्याएं आ रही है, इसे देखते हुए समीप बन रहे नवीन अंडर पास के निर्माण कार्य को तत्काल चालू करें। यह निर्माण कार्य वर्ष 2018 से बन रहा, किन्तु अभी तक तैयार नहीं होने पर रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी से दूरभाष पर चर्चा कर इस कार्य को तुरंत चालू करने के निर्देश दिए। जिस पर रेलवे अधिकारी ने उक्त कार्य को तुरंत चालू करने का आश्वासन दिया। मंत्री श्री सिलावट ने निर्देश दिए कि सभी अधिकारी मौके पर जाकर देखे और सतत मॉनिटरिंग करें, ताकि बारिश के मौसम में स्थानीय नागरिकों और वाहन चालकों को किसी तरह की परेशानी नहीं हो। रेलवे, नगर निगम, ट्रैफिक पुलिस आदि विभाग समन्वय के साथ कार्य करें, ताकि नागरिकों को परेशानियां न उठाना पड़े। मंत्री श्री सिलावट ने रेलवे अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि बारिश के मौसम में यातायात बाधित होना स्वाभाविक है, क्योंकि कीचड़ और जल-भराव की आशंका बनी रहती है, इसलिए सिंगापुर टाउनशिप रेलवे अंडर ब्रिज पर यातायात बाधित न हो, इस पर ध्यान देना जरूरी है।

मंत्री श्री सिलावट ने रेलवे अधिकारियों को कहा कि सिंगापुर टाउनशिप पास के नवीन निर्माणाधीन रेलवे अंडर ब्रिज के बंद निर्माण कार्य को पुनः चालू कर बाउंड्रीवाल का निर्माण किया जाये। इस निर्माण में लगने वाले समय को भी बताया जाये, ताकि जो निर्माण कार्य है, वह हो सकें। साथ ही रेत डंपर, बड़े डीजल-पेट्रोल चलित बड़े टैंकर, क्रेन, जेसीबी, बड़े आयशर गाड़ियां, छोटे ट्रक को रोकने के लिए आरपीएफ पुलिस की व्यवस्था की जाये। मंत्री श्री सिलावट ने अपर कलेक्टर सहित अनुविभागीय अधिकारी और ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि रेत डंपर, क्रेन, टैंकर, स्कूल बसें एवं चार पहिया वाहनों के आवागमन से अंडर ब्रिज पर सुबह 6 बजे से सुबह 8 बजे एवं दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक यातायात बाधित हो जाता है। इस वजह से स्थानीय नागरिकों एवं स्कूली बच्चों को परेशानी होती है।

इस कार्य के निराकरण के लिए स्थानीय थाने से पुलिस व्यवस्था की जाये। इसके अलावा सिंगापुर टाउनशिप जंक्शन से रेलवे अंडर ब्रिज तक का मार्ग संकरा होने के कारण भारी वाहनों से बार-बार यातायात बाधित होता है, इसलिए ऐसे वाहनों को प्रतिबंधित किया जाये। मंत्री श्री सिलावट ने नगर निग कैलोद हाला ब्रिज के ब्रिज नम्बर 50 के पास से जेसीबी शोरूम तक बड़े-बड़े गड्ढों का भराव का कार्य किया जाये। सिंगापुर टाउनशिप के पास रेलवे अंडर ब्रिज पर ट्रैफिक व्यवस्था को सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठायें जायें।

हाई एवं हायर सेकंडरी स्कूल के शिक्षकों को शारीरिक शिक्षा प्रशिक्षण

शाजापुर (निप्र)। जिले के हाई एवं हायर सेकंडरी स्कूल के शिक्षकों को शारीरिक शिक्षा का प्रशिक्षण कार्यक्रम आज 6 जुलाई से 8 जुलाई 2025 तक प्रातः 9.30 से शाम 5.00 बजे तक उत्कृष्ट विद्यालय शाजापुर में सम्पादित आयोजित किया जा रहा है। जिसका शुभारम्भ जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. विवेक दुबे के मुख्य आतिथ्य एवं उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य प्रवीण कुमार मंडलोई की अध्यक्षता में किया गया। शुभारंभ अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. दुबे ने शिक्षकों से कहा कि छोटी- छोटी गतिविधियों के माध्यम से प्रार्थना के समय अनुशासन एवं बिना मैदान व संसाधन के बिना भी हम बच्चो को मनोरंजक खेलों का ज्ञान भी दे सकते है। जिससे बच्चे तनाव मुक्त एवं शिक्षक के प्रति स्नेह भाव होगा। इस अवसर पर श्री मण्डलोई ने अपने उद्बोधन में शतरंज खेल से खिलाड़ी के बौद्धिक विकास एवं स्मरण शक्ति का विकास होता है। प्रशिक्षण उज्जैन के मास्टर ट्रेनर श्री केसी पुरोहित व श्री लियाकत खान, श्री नरेंद्र सिंह राजपूत, श्री देवनारायण सूर्यवंशी द्वारा दिया जा रहा है। तीन दिन तक चलने वाले प्रशिक्षण में शिक्षको को परम्परागर खेल कबड्डी, खो-खो, वॉलीवाल, एथेलेटिक्स, रस्सी कूद, सितोलिया ऐसे कैसे, बेटन रेस, चेयर रेस, योग आदि खेलो को शामिल किया गया है। इस प्रशिक्षण के उपरान्त शिक्षक अपने क्षेत्र अंतर्गत प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों को देंगे। इसके उपरांत शिक्षकों ने भी ग्रुप के माध्यम से आपस मे खेलो के कौशल सीखे।

वर्षा ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में नालियों की सफाई सुनिश्चित करें : कलेक्टर

शाजापुर (निप्र)। कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित विभागीय समन्वय एवं समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया कि वर्षा ऋतु के मद्देनज़र ग्रामीण क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति से बचाव के लिए नालियों की नियमित एवं प्रभावी सफाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे बड़ी ग्राम पंचायतों का निरीक्षण कर स्वयं सफाई व्यवस्था की स्थिति का आकलन करें।

कलेक्टर ने छात्रावासों की रिक्त सीटों की समीक्षा करते हुए कहा कि जिला शिक्षा अधिकारी एवं डीपीसी समन्वय स्थापित कर रिक्त सीटों को शीघ्र भरवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पदस्थ शिक्षक बच्चों के पालकों से संपर्क कर उन्हें छात्रावासों में प्रवेश के लिए प्रेरित करें। सांदीपनि विद्यालय की 10 किलोमीटर परिधि से बाहर के विद्यार्थी छात्रावासों में प्रवेश लेकर विद्यालय में अध्ययन कर सकते हैं। किसी विद्यार्थी को प्रवेश में असुविधा होने पर वे सीएम हेल्पलाइन नंबर 07364-181 पर भी संपर्क कर सकते हैं।बैठक में पशुपालन एवं डेयरी विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि डिफॉल्टर किसानों को समय पर ऋण अदायगी के लिए प्रेरित करे। उन्होंने कहा कि एक बार खाता एनपीए हो जाने पर भविष्य में ऋण प्राप्त करने में कठिनाई आती है।

मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर दर्ज योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करें और डाटा अपलोड करें। सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के समाधान की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि शिकायतों का निराकरण संतुष्टि के साथ करें।

कलेक्टर ने समग्र एवं आधार ई-केवाईसी कार्य की साप्ताहिक समीक्षा करते हुए इसमें गति लाने के निर्देश दिए। कार्यपालन यंत्री, पीआईयू को शासकीय महाविद्यालय गुलाना के भवन निर्माण में शेष फिनिशिंग कार्य को आगामी दो सप्ताह में गुणवत्तापूर्वक पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग, आयुष्मान कार्ड निर्माण, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा उपभोक्ताओं की ई-केवाईसी, लंबित पेंशन प्रकरणों, भू-अर्जन, साइकिल एवं पुस्तक वितरण, मत्स्य पालन, शासन संधारित मंदिरों की भूमि, विद्यालयों में शौचालय एवं अतिरिक्त कक्ष निर्माण, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी एवं ग्रामीण) सहित अन्य विषयों की विस्तृत समीक्षा की।कलेक्टर ने जिला परिवहन अधिकारी को निर्देशित किया कि बिना परमिट, फिटनेस एवं बीमा के संचालित वाहनों पर तत्काल कार्रवाई की जाए। साथ ही मुख्य सड़कों पर दुर्घटना संभावित स्थलों पर सुरक्षा संबंधी उपाय सुनिश्चित करने के लिए भी कहा।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि आगामी तीन माह में सेवानिवृत्त होने वाले शासकीय सेवकों के भविष्य निधि से संबंधित प्रकरण समय-सीमा में महालेखाकार ग्वालियर को प्रेषित किए जाएं, ताकि सेवानिवृत्त कर्मियों को उनके समस्त स्वत्वों का भुगतान सेवामुक्ति के दिन ही किया जा सके।बैठक में अपर कलेक्टर श्री बी.एस. सोलंकी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री संतोष टैगोर, एसडीएम गुलाना श्री सत्येन्द्र प्रसाद सिंह, डिप्टी कलेक्टर सुश्री नेहा गंगारे सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

शहर के जल जमाव के 112 से अधिक स्थानों को किया गया चिन्हित

इन्दौर (निप्र)। मानसून सीजन के दौरान संभावित जल जमाव की स्थितियों से प्रभावी तरीके से निपटने के लिए इंदौर नगर निगम ने आपदा प्रबंधन प्रणाली को पूरी तरह से सक्रिय कर दिया है। आयुक्त श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार शहर के 112 से अधिक जल जमाव संभावित स्थलों को चिन्हित कर आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की गई हैं।

इस संबंध में आयुक्त श्री शिवम वर्मा की उपस्थिति में सिटी बस ऑफिस सभागृह में समस्त टीम के सदस्यों को ओरिएंटल प्रेजेंटेशन के माध्यम से आपदा प्रबंधन के दौरान किए जाने वाले कार्यों के संबंध में जानकारी दी गई। इस दौरान अपर आयुक्त श्री अभय राजनगांवकर, श्री मनोज पाठक, उपायुक्त श्री शैलेश अवस्थी, अधीक्षण यंत्री श्री डी आर लोधी, श्री लक्ष्मीकांत वाजपेई, श्री मनीष पांडे एवं समस्त आपदा प्रबंधन की टीम उपस्थित थीं। आयुक्त श्री शिवम वर्मा द्वारा जल जमाव की समस्या से त्वरित राहत देने के लिए निगम की आपदा प्रबंधन टीम गठित की गई है, जो रात्रिकालीन निगरानी सहित पूरे वर्षाकाल में सक्रिय रूप से कार्य करेगी। इस टीम में जनकार्य, ड्रेनेज, वर्कशॉप एवं विद्युत विभाग के अनुभवी कर्मचारियों को सम्मिलित किया गया है। टीम के सदस्यों को कार्य की दक्षता के लिए ओरिएंटेशन प्रेजेंटेशन के माध्यम से विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया।

नगर निगम द्वारा चिन्हित सभी जल जमाव संभावित स्थलों की मॉनिटरिंग के लिए समस्त जोनल कार्यालय पर नाइट मॉनिटर की तैनाती की जा रही है, जो रात के समय जलभराव की स्थिति की निगरानी करेंगे एवं आवश्यकतानुसार टीम को सूचित करेंगे। इन मॉनिटर्स को तत्काल रिस्पॉन्स की जिम्मेदारी दी गई है, ताकि नागरिकों को न्यूनतम असुविधा हो।

जल भराव की स्थिति में निगम की टीम केवल जल निकासी कार्य ही नहीं करेगी, बल्कि यातायात को सुगम बनाए रखने हेतु भी तत्काल आवश्यक कदम उठाएगी। वाहन चालकों व नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यातायात व्यवस्था बनाए रखना टीम की प्राथमिकता में रहेगा। आयुक्त श्री शिवम वर्मा ने निर्देश दिए हैं कि आपदा प्रबंधन टीम को रेनकोट, रिफ्लेक्टर जैकेट्स, टॉर्च, पंपिंग मशीन, रस्सियां, गेती, फावड़ा, सब्बल, घन एवं अन्य जरूरी उपकरणों से पूर्णतः लैस रखा जाए। सभी संबंधित कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि वे वर्षाकाल में पूर्ण सतर्कता बरतें और जलजमाव की सूचना मिलते ही तत्काल मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें।

कुपोषण के पूर्ण प्रबंधन से अब सामान्य बच्चों की तरह जीवन जी रही है प्रीति

उज्जैन (निप्र)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी श्री अशोक कुमार पटेल ने जानकारी दी कि उज्जैन शहर के शक्करवासा निवासी श्री राकेश व श्रीमती अनिता की पुत्री प्रीति उम्र 02 वर्ष जन्म से ही अत्यंत कमजोर थी व अक्सर बीमार रहती थी। जिस कारण प्रीति के माता-पिता बहुत परेशान रहते थे।

प्रीति का स्वास्थ्य खराब होने के कारण उसके माता-पिता उसे लेकर मातृ एवं शिशु चिकित्सालय, चरक भवन उज्जैन पहुंचे जहां पर चिकित्सकों द्वारा प्रीति की जांच कर बताया गया कि प्रीति को अस्पताल मे भर्ती कर उपचार की आवश्यकता है। यह बेहद कमजोर भी है व इसका वजन मात्र 5 किलो 540 ग्राम है, जो इसकी उम्र की तुलना में असामान्य है। यह कुपोषण के लक्षण है इसी कारण से यह अक्सर बीमार रहती है और इसकी सेहत में सुधार नही हो रहा है। यदि प्रीति के कुपोषण का पुरा उपचार एवं पूर्ण प्रबंधन भर्ती रखकर किया जाए तो प्रीति को कुपोषण से बचाया जा सकता है। प्रीति के माता-पिता प्रीति को अस्पताल में भर्ती करने हेतु सहमत हो गये। इसके उपरान्त चिकित्सकों द्वारा प्रीति को पोषण पुनर्वास केन्द्र, चरक भवन उज्जैन में भर्ती किया गया जहां पर प्रीति की आवश्यक जांच करवाई गई एवं उपचार प्रारंभ किया गया। पोषण पुनर्वास केन्द्र में प्रीति को दो सप्ताह भर्ती रख कर आवश्यक उपचार एवं पोष्टिक आहार प्रदान किया गया। चिकित्सक डॉ. मंजुषा पिप्पल व पोषण प्रशिक्षक श्रीमती सोनल ठाकुर एवं पोषण पुनर्वास केन्द्र मे कार्यरत स्टाफ द्वारा पुर्ण निगरानी एवं उचित देखभाल की गई। जिसके फलस्वरूप प्रीति का वजन बढ़कर 6 किलो 500 ग्राम हो गया है। व स्वस्थ होने के पश्चात प्रीति को डिस्चार्ज कर दिया गया।

पोषण पुनर्वास केन्द्र से डिस्चार्ज होने के बाद प्रीति की माता को प्रीति को निरन्तर पोषण आहार बनाकर खिलाने का प्रशिक्षण दिया गया और उनकी काउंसलिंग भी की गई डिस्चार्ज के बाद घर पर पोषण आहार प्रदान किया जा रहा है। अब प्रीति सामान्य बच्चों की तरह जीवन जी रही है प्रीति के माता-पिता भी अब खुश है कि उनकी बेटी कुपोषण जैसी गंभीर बीमारी से लड़कर उसे दूर कर सकी। पोषण पुनर्वास केन्द्र मे भर्ती के दौरान प्रीति को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवायें एवं पुर्ण उपचार उपलब्ध करवाया गया।

जिले में आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा संग्रहण एवं विक्रय करने वालों के विरुद्ध लगातार की जा रही है कार्रवाई

देवास (निप्र)। कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह के निर्देशन तथा सहायक आबकारी आयुक्त श्रीमती मंदाकिनी दीक्षित के मार्गदर्शन में आबकारी देवास द्वारा अवैध मदिरा के निर्माण, विक्रय एवं परिवहन करने वालों के विरुद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में सोमवार को आबकारी वृत्त देवास ब में देवास के प्रताप नगर एवं शहर गश्त कर कार्यवाही की गई जिसमें जमीन में गड़े लाहन को नष्ट किया गया। कार्यवाही में 20 पाव देशी मदिरा प्लेन, 10 लीटर हाथ भट्टी मदिरा एवं 900 किलो ग्राम महुआ लाहन जप्त किया गया। कार्रवाई में कुल 03 प्रकरण मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) के तहत दर्ज किए गए है। कार्रवाई के दौरान जप्त सामग्री का मूल्य लगभग 93500 रुपये है। आज की कार्यवाही में आबकारी उपनिरीक्षक प्रेम यादव, आबकारी मुख्य आरक्षक राजाराम रैकवार, आबकारी आरक्षक अरविंद जिनवाल, आशीष, सैनिक किशोर, अनिल चौहान, अनिल सम्मिलित रहे। इस प्रकार की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

कलेक्टर श्री सिंह के द्वारा विभिन्न मामलों में जनसुनवाई की गई

अधीनस्थ अधिकारियों को दिए कार्यवाही के निर्देश

उज्जैन (निप्र)। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के द्वारा मंगलवार को प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में विभन्नि मामलों में जनसुनवाई करते हुए प्रकरणों का समय सीमा में नरिाकरण करने के निर्देश अधीनस्थ अधिकारियों को दिए गए।

उन्हेल निवासी श्री मोहनलाल ने आवेदन दिया कि उन्हेल से बेड़ावन मार्ग 4 कि.मी ,बेड़ावन से दल्लाहेड़ा मार्ग 2 कि.मी , दल्लाहेड़ा से धुमाहेड़ा मार्ग 2 कि.मी और धुमाहेड़ा से हताईपालकी मार्ग 3 कि.मी सिंगल होने से आवागमन में आमजन को आए दिन परेशानी का सामना करना पड़ता है। अतः उक्त मार्गों का चौडीकरण किया जाए। इस पर ईई पीडब्ल्यूडी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। श्री मोहनलाल ने ग्राम बेड़ावन में पशुचिकित्सालय खोले जाने के लिए भी आवेदन दिया जिस पर उपसंचालक पशुचिकित्सा को उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

महिदपुर तहसील के ग्राम अरन्याबागड़ा निवासी श्रीमती श्यामुबाई ने आवेदन दिया कि उनके पति का स्वर्गवास हो चुका है तथा वह गरीबी रेखा ने निचे जीवन-यापन करती है। उन्हें जीवनयापन हेतु शासकीय भूमि का पट्टा प्रदान किया जाए ताकि वे उसपर कृषि कार्य कर अपने परिवार का भरण पोषण कर सके । इस पर तहसीलदार महिदपुर को नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

उज्जैन निवासी श्री शेकत चन्दा ने आवेदन दिया कि उन्हें एक निजी विद्यालय में प्राचार्य पद के लिए आमंत्रित किया गया था।

इस वजह से उन्होंने पूर्व की सेवा से त्यागपत्र दे दिया जब वे संबंधित विद्यालय से पदभार ग्रहण करने के लिए पहुंचे तो उन्हें विद्यालय के द्वारा बताया गया की पूर्व के प्राचार्य के द्वारा पद से त्यागपत्र नहीं दिया गया है। इस प्रकार प्रार्थी के साथ विद्यालय के द्वारा धोकाधडी की गई है। इसपर जिला शिक्षा अधिकारी को मामले की पूरी जांच कर निराकरण करने के निर्देश दिए गए।

उज्जैन निवासी श्री कैलाश जैन ने आवेदन दिया कि मक्सी रोड पर स्थित एक निजी कॉलोनी मे सीवर का पानी फुल होने पर नियमित रुप से साफ सफाई नहीं होने से वर्तमान में बारीश के मौसम के दौरान चेंबर से आम रास्तों पर गंदे पानी की निकासी हो रही है। इस पर नगरपालिका निगम के जोनल अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

इसी प्रकार बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्रीमती जयति सिंह एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों के द्वारा भी जनसुनवाई की गई।

नकली खाद एवं कीटनाशक बेचने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए: सभापति श्रीमती यादव

उज्जैन (निप्र)। नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव और सीईओ जिला पंचायत श्रीमती जयति सिंह के द्वारा सोमवार को सिंहस्थ मेला कार्यालय के सभाकक्ष में उज्जैन दक्षिण विधानसभा के अंतर्गत आने वाले ग्रामों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।बैठक में सभापति श्रीमती यादव ने कृषि विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बिक्री होने वाले नकली खाद बीज एवं कीटनाशक विक्रेताओं पर सख्त कार्यवाही की जाए, पशुपालन विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि चलित निःशुल्क वाहन 1962 का प्रचार - प्रसार किया जाए तथा पशुओं की नस्ल सुधार संबंधित विशेष प्रयास किए जाएं। राजस्व विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि नामांतरण, नामांकन आदि सभी कार्य पारदर्शिता पूर्वक शीघ्रता से किए जाएं। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सिंह ने निर्देश देते हुए कहा की किसी भी प्रकार के निर्माण के दौरान क्षतिग्रस्त होने वाली सड़कों को संबंधित विभाग के द्वारा ही ठीक किया जाए । आयुष्मान कार्ड, समग्र ई केवाईसी, फार्मर रजिस्ट्री इत्यादि कार्य भी प्राथमिकता से किए जाएं।बैठक में राजस्व विभाग, लोक निर्माण विभाग, किसान कल्याण तथा कृषि विस्तार विभाग, जल संसाधन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पशुपालन एवं डेयरी विकास विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।बैठक में जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री दीपक चौधरी, जिला पंचायत सदस्य श्री शोभाराम मालवीय, सीईओ जनपद श्री संदीप यादव, तहसीलदार उज्जैन ग्रामीण और सभी जनपद सदस्य व सरपंच उपस्थित थे।

संपादकीय

इंग्लैंड को हराना भारतीय टीम के हौसले की जीत

यह एक ऐसा क्रिकेट मैच था, जिसमें कीर्तिमानों की झड़ी लग गई। विदेशी सरजमीं पर भारतीय टीम की जीत सचमुच ऐतिहासिक है, क्योंकि इससे पहले भारत ने यहां कभी कोई टेस्ट मैच नहीं जीता था। मगर भारत के नए और युवा खिलाड़ियों की टीम की असीम ऊर्जा के आगे इंग्लैंड बुरी तरह लड़खड़ा गया। उत्साह से लबालब खिलाड़ियों ने शानदार बल्लेबाजी कर जिस तरह एक तरह से बर्मिंघम का तिलिस्म तोड़ा है, उसे मेजबान देश हमेशा याद रखेगा।यह कप्तान शुभमन गिल और उनकी टीम के कौशल का ही परिणाम था कि भारत ने इंग्लैंड को 336 रनों से हरा कर एजबेस्टन में जीत का झंडा लहरा दिया। इस दौरान हर भारतीय खिलाड़ी का प्रदर्शन देखने लायक था। शुभमन ने जहां एक पारी में 269 तो दूसरी पारी में 161 रन बनाए। उनका यह प्रदर्शन इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि वे विदेश में छब्बीस वर्ष से भी कम उम्र में टेस्ट मैच जीतने वाली टीम के सबसे युवा भारतीय कप्तान बन गए हैं। इससे पहले सुनील गावस्कर ने सबसे कम उम्र में न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत दर्ज की थी। शुभमन दसवें ऐसे बल्लेबाज भी बन गए हैं, जिन्होंने एक ही टेस्ट मैच में दोहरा शतक जड़ा है।एक कीर्तिमान यह भी बना कि एजबेस्टन में भारत की पहली बार जीत हुई। इससे पहले यहां नौ मुकाबलों में उसे आठ में हार का सामना करना पड़ा था। इसके अलावा, यहां जीत हासिल करने वाली यह पहली एशियाई टीम भी बन गई है। रनों के मामले में भी विदेशी धरती पर भारत ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इससे पहले 2019 में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलते हुए भारत ने 318 रन बना कर जीत को अपने खाते में डाला था।दूसरी ओर गेंदबाज आकाश दीप ने दस विकेट झटक कर भारतीय क्रिकेट की तस्वीर को और भी चमकदार और सुनहरा बना दिया है। दरअसल, बर्मिंघम में शानदार विजय से साबित हो गया कि हमारे पास अब एक समर्थ टीम है। आमतौर पर विदेशी धरती पर पिच की प्रकृति के मुताबिक ही खिलाड़ियों के बल्ले और गेंद का रुख, फिर उसी से जीत-हार की दिशा भी तय होती है। मगर एजबेस्टन में भारतीय टीम ने दिखाया कि दमखम के साथ-साथ पिच से तालमेल बिठा कर कैसे अपने पांव टिकाए जाते हैं और दांव जीता जाता है।

ब्राज़ील के रियो डी जनेरियो में रविवार को हुए 17वें ब्रिक्स सम्मेलन में सदस्य देशों ने 31 पेज और 126 पॉइंट वाला एक जॉइंट घोषणा पत्र जारी किया। इसमें पहलगाम आतंकी हमले और ईरान पर इजराइली हमले की निंदा की गई। इससे पहले 1 जुलाई को भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया की मेंबरशिप वाले क्वाड ग्रुप के विदेश मंत्रियों की बैठक में भी पहलगाम हमले की निंदा की गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समिट में पहलगाम की आतंकी घटना पर कठोर शब्दों में कहा कि पहलगाम आतंकी हमला सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी इंसानियत पर चोट है। आतंकवाद की निंदा हमारा सिद्धांत होना चाहिए, सुविधा नहीं। मोदी ने शांति एवं सुरक्षा सत्र में कहा कि पहलगाम में हुआ 'कायरतापूर्ण' आतंकवादी हमला भारत की 'आत्मा, पहचान और गरिमा' पर सीधा हमला है। इसके साथ ही उन्होंने एक नई विश्व व्यवस्था की मांग उठाई। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस समिट में महत्वपूर्ण मुद्रा में दिखाई दिये। उन्होंने एक बार फिर इसके विस्तार की बात की और सदस्य देशों से भी आग्रहपूर्ण ढंग से दबाव बनाया कि कि ब्रिक्स को विस्तार होना चाहिए।

ब्रिक्स में भारत का बढ़ता वर्चस्व संतुलित दुनिया का आधार

(ललित गर्ग)

ब्रिक्स सम्मेलन में आतंकवाद, विशेषकर कश्मीर में फैले इस्लामी आतंकवाद को लेकर चर्चा ने इस मंच को वैश्विक राजनीति की दिशा तय करने वाले संगठनों की अग्रिम पंक्ति में खड़ा कर दिया है। इसमें भारत की भूमिका, विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की निर्णायक भूमिका रही है।

ब्राजील के रियो डी जनेरियो में रविवार को हुए 17वें ब्रिक्स सम्मेलन में सदस्य देशों ने 31 पेज और 126 पॉइंट वाला एक जॉइंट घोषणा पत्र जारी किया। इसमें पहलगाम आतंकी हमले और ईरान पर इजराइली हमले की निंदा की गई। इससे पहले 1 जुलाई को भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया की मेंबरशिप वाले क्वाड ग्रुप के विदेश मंत्रियों की बैठक में भी पहलगाम हमले की निंदा की गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समिट में पहलगाम की आतंकी घटना पर कठोर शब्दों में कहा कि पहलगाम आतंकी हमला सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी इंसानियत पर चोट है। आतंकवाद की निंदा हमारा सिद्धांत होना चाहिए, सुविधा नहीं। मोदी ने शांति एवं सुरक्षा सत्र में कहा कि पहलगाम में हुआ 'कायरतापूर्ण' आतंकवादी हमला भारत की 'आत्मा, पहचान और गरिमा' पर सीधा हमला है। इसके साथ ही उन्होंने एक नई विश्व व्यवस्था की मांग उठाई। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस समिट में महत्वपूर्ण मुद्रा में दिखाई दिये। उन्होंने एक बार फिर इसके विस्तार की बात की और सदस्य देशों से भी आग्रहपूर्ण ढंग से दबाव बनाया कि कि ब्रिक्स को विस्तार होना चाहिए। ब्रिक्स यानी बी से ब्राजील, आर से रूस, आई से इंडिया (भारत), सी से चीन और एस से दक्षिण अफ्रीका- ये दुनिया की पांच सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था वाले देशों का एक समूह है। ब्रिक्स एक ऐसा बहुपक्षीय मंच है, जो उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच सहयोग, वैश्विक विकास और सामूहिक सुरक्षा की भावना को बल देता है। ब्रिक्स समिट काफी सफल एवं निर्णायक रहा है।

ब्रिक्स सम्मेलन में आतंकवाद, विशेषकर कश्मीर में फैले इस्लामी आतंकवाद को लेकर चर्चा ने इस मंच को वैश्विक राजनीति की दिशा तय करने वाले संगठनों की अग्रिम पंक्ति में खड़ा कर दिया है। इसमें भारत की भूमिका, विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की निर्णायक भूमिका रही है। इन शक्तिसम्पन्न पांचों देशों का वैश्विक मामलों पर महत्वपूर्ण प्रभाव है और दुनिया की लगभग 40 फीसदी आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। चीन इसे अपने हित के लिए इस्तेमाल करना चाहता है, जबकि भारत इसे सही मायनों में लोकतांत्रिक संगठन बनाना चाहता है। भारत चाहता है कि ब्रिक्स समूह मिलकर दुनिया में शांति, सह-जीवन, अहिंसा, लोकतांत्रिक मूल्य, समानता एवं सह-अस्तित्व पर बल देते हुए दुनिया को युद्ध, आतंक एवं हिंसामुक्त बनाया जाये। ब्रिक्स देशों के इस सम्मेलन में एक विशेष बिंदु जो उभरकर सामने आया वह था-अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद का बदलता स्वरूप और इसके कश्मीर जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में प्रभाव। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट रूप से यह रेखांकित किया कि आतंकवाद अब किसी एक राष्ट्र की समस्या नहीं रह गई है, बल्कि यह एक वैश्विक संकट बन चुका है। उन्होंने कश्मीर में हो रहे आतंकवादी हमलों, पाकिस्तान समर्थित गतिविधियों और

भारत की सीमाओं पर हो रही हिंसक घटनाओं को उदाहरण के रूप में सामने रखा। मोदी ने ब्रिक्स मंच से यह भी स्पष्ट किया कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, लेकिन जब आतंक का राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल होता है, तो वह मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन जाता है।

भारत ने लंबे समय से कॉम्प्रेहेंसिव कॉन्वेंशन ऑन इन्टरनेशनल टेरिजम्स (सीसीआईटी) की पैरवी की है। इस बार ब्रिक्स मंच पर मोदी ने इस प्रस्ताव को फिर से प्रमुखता से उठाया और एक साझा परिभाषा व वैश्विक नीति की मांग की ताकि आतंकवादियों को सुरक्षा और राजनीतिक सहारा न मिल सके। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी सुझाव दिया कि ब्रिक्स को एक साझा आतंकवाद निरोधी तंत्र बनाना चाहिए, जो सूचनाओं का आदान-प्रदान, निगरानी तंत्र और आतंक के वित्तपोषण को रोकने में सहयोग करे। भारत ने इस बार पाकिस्तान का नाम लिए बिना यह सिद्ध किया कि कश्मीर में आतंकवाद एक स्थानीय असंतोष नहीं, बल्कि बाहरी प्रायोजित आतंक है। ब्रिक्स देशों, विशेषकर रूस और ब्राज़ील ने इस बात को स्वीकारा कि कश्मीर में फैले आतंकवाद पर चिंता जायज़ है और उन्होंने भारत के दृष्टिकोण का समर्थन किया। यह कूटनीतिक जीत प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व कौशल को रेखांकित करती है। उन्होंने न केवल भारत के राष्ट्रीय हितों की रक्षा की, बल्कि वैश्विक आतंकवाद के विरुद्ध एक नैतिक और व्यावहारिक आधार भी प्रस्तुत किया।

भारत 2026 में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता करने जा रहा है। यह भारत के लिए भविष्य को गढ़ने का एक सुनहरा अवसर है। भारत अब न केवल आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देगा, बल्कि यह भी सुनिश्चित करेगा कि ब्रिक्स एक न्यायसंगत, सुरक्षित और आतंकवादमुक्त विश्व के निर्माण की दिशा में कार्य करे। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भारत की भूमिका न केवल आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक स्वरूप में दिखाई दी, बल्कि यह भी स्पष्ट हुआ कि भारत अब एक वैश्विक नेतृत्वकर्ता राष्ट्र के रूप में उभर चुका है। नरेंद्र मोदी ने जिस सूझबूझ, तर्कशक्ति और साहस के साथ कश्मीर मुद्दे को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया, वह भारत की कूटनीति के नए युग की शुरुआत है। आगामी वर्ष में जब भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता करेगा, तब यह विश्वास किया जा सकता है कि न केवल भारत, बल्कि समूचा विश्व भारत की नीति, नैतिक दृष्टि और नेतृत्व क्षमता का सम्मान करेगा। इस मंच से भारत केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि मानवता, शांति और न्याय की नई इबारत लिखेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक नई विश्व व्यवस्था की मांग उठाई उन्होंने कहा कि आज दुनिया को एक बहुध्रुवीय और समावेशी व्यवस्था की जरूरत है। इसकी शुरुआत वैश्विक संस्थाओं में बदलाव से करनी होगी। मोदी ने कहा, 'बीसवीं सदी में बनाई गई वैश्विक संस्थाएं इक्कीसवीं सदी की चुनौतियों से निपटने में नाकाम हैं। एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमता के दौर में तकनीक हर हफ्ते अपडेट होती है, लेकिन एक वैश्विक संस्थान 80 सालों में एक बार भी अपडेट नहीं होती। बीसवीं सदी के टाइपराइटर इक्कीसवीं सदी के सॉफ्टवेयर को नहीं चला सकते। प्रधानमंत्री ने कहा, ग्लोबल साउथ के देश अक्सर डबल स्टैंडर्ड का शिकार रहे हैं। चाहे विकास हो, संसाधनों की बात हो, या सुरक्षा से जुड़े मुद्दों की, ग्लोबल साउथ को कभी प्राथमिकता नहीं दी गई है। इनके बिना, वैश्विक संस्थाएं ऐसे मोबाइल की तरह हैं, जिसमें सिम कार्ड तो है लेकिन नेटवर्क नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, वैश्विक अर्थव्यवस्था में जिन देशों का योगदान ज्यादा है, उन्हें फैसले लेने का हक नहीं है। यह सिर्फ प्रतिनिधित्व का नहीं, बल्कि विश्वसनीयता और प्रभावशीलता का भी सवाल है।

भारत का मानना था कि समान सोच वाले देशों को साथ लेकर चला जा सकता है। आनेवाले समय में ब्रिक्स दुनिया की आधी जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करने लगेगा। निश्चित ही ब्रिक्स की ताकत से एक वैश्विक संतुलन स्थापित हो रहा है और अमेरिका एवं पश्चिमी देशों के अहंकार एवं दुनिया पर शासन करने की मंशा पर पानी फिरा है। हमारा भविष्य सितारों पर नहीं, जमीन पर निर्भर है, वह हमारा दिलों में छिपा हुआ है, दूसरे शब्दों में कहें तो हमारा कल्याण अन्तरिक्ष की उड़ानों, युद्ध, आतंक एवं शस्त्रों में नहीं, पृथ्वी पर आपसी सहयोग, शांति, सह-जीवन एवं सद्भावना में निहित है। 'वसुधैव कुटुम्बकम का मंत्र इसलिये सारी दुनिया को भा रहा है। इसलिये बदलती हुई दुनिया में, बदलते हुए राजनैतिक हालात में सारे देश एक साथ जुड़ना चाहते हैं। ब्रिक्स का संगठन ऐसा सपना है जिसे भारत रत्न स्व. प्रणव मुखर्जी ने भारत के विदेश मन्त्री के तौर पर 2006 में देखा था। प्रणव दा बदलते विश्व शक्ति क्रम में उदीयमान आर्थिक शक्तियों की समुचित व जायज सहभागिता के प्रबल समर्थक थे और पुराने पड़ते राष्ट्रसंघ के आधारभूत ढांचे में रचनात्मक बदलाव भी चाहते थे। इसके साथ ही वह बहुध्रुवीय विश्व के भी जबर्दस्त पक्षधर थे जिससे विश्व का सकल विकास न्यायसंगत एवं लोकतांत्रिक तरीके से हो सके। अब नरेन्द्र मोदी ने इसमें सराहनीय भूमिका निभाई है। उनके दूरगामी एवं सूझबूझ भरे सुझावों का ब्रिक्स देशों ने लोहा माना है। ब्रिक्स संगठन में भारत का वर्चस्व चीन की तुलना में बढ़ा है जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता एवं कूटनीति का परिणाम है। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

लिथियम की होड़ में भारत-चीन आमने-सामने, अर्जेंटीना बना रणनीतिक रणभूमि

(नीरज कुमार दुबे)

हम आपको बता दें कि चीन अर्जेंटीना का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। दोनों देशों ने कृषि, अवसंरचना, ऊर्जा और रक्षा जैसे क्षेत्रों में कई समझौते किए हैं। चीन अर्जेंटीना से बड़ी मात्रा में सोयाबीन, मांस और कृषि उत्पाद आयात करता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अर्जेंटीना की द्विपक्षीय यात्रा दोनों देशों के आपसी संबंधों को प्रगाढ़ बनाने की दृष्टि से तो महत्वपूर्ण है ही साथ ही इस यात्रा का एक और बड़ा रणनीतिक असर होने जा रहा है। हम आपको बता दें कि वर्तमान वैश्विक व्यवस्था में लैटिन अमेरिका और एशिया के देशों के बीच आर्थिक और रणनीतिक रिश्ते गहराते जा रहे हैं। अर्जेंटीना और चीन के संबंध इसी उभरते भू-राजनीतिक समीकरण का हिस्सा हैं। बीते एक दशक में अर्जेंटीना ने चीन के साथ अपने व्यापारिक, निवेश, और कूटनीतिक संबंधों को अत्यंत मजबूत किया है। यह संबंध न केवल क्षेत्रीय रणनीति को प्रभावित कर रहे हैं, बल्कि भारत के लिए भी कई अवसर और चुनौतियाँ उत्पन्न कर रहे हैं।

हम आपको बता दें कि चीन अर्जेंटीना का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। दोनों देशों ने कृषि, अवसंरचना, ऊर्जा और रक्षा जैसे क्षेत्रों में कई समझौते किए हैं। चीन अर्जेंटीना से बड़ी मात्रा में सोयाबीन, मांस और कृषि उत्पाद आयात करता है। साथ ही चीन ने अर्जेंटीना में जलविद्युत परियोजनाओं और परमाणु संयंत्रों में भारी निवेश किया है। यही नहीं, अर्जेंटीना वर्ष 2022 में बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव बीआरआई में शामिल हुआ, जिससे चीन की लैटिन अमेरिका में रणनीतिक उपस्थिति और गहराई। एक खास बात और है कि अर्जेंटीना 'लिथियम ट्रायंगल' का हिस्सा है और चीन ने वहां की कई लिथियम परियोजनाओं में निवेश कर रखा है।

चीन का अर्जेंटीना में गहराता प्रभाव भारत के लिए रणनीतिक दृष्टि से चिंता का विषय है, खासकर जब चीन की नीति ग्लोबल साउथ के देशों में कर्ज और निवेश के माध्यम से प्रभाव बढ़ाने की रही है। यहां यह भी काबिलेगौर है कि भारत इलेक्ट्रिक वाहनों और ऊर्जा भंडारण के लिए लिथियम पर निर्भर है। अर्जेंटीना में चीन की बढ़ती हिस्सेदारी इस महत्वपूर्ण खनिज की वैश्विक आपूर्ति में भारत को पीछे धकेल सकती है। इसलिए भारत अर्जेंटीना के साथ अपने संबंधों को मजबूती देना चाहता है, लेकिन चीन की पहले से मौजूदगी भारत की कूटनीतिक पहुंच को सीमित कर सकती है। लेकिन भारत के 'ग्लोबल साउथ' को जोड़ने की नीति अर्जेंटीना जैसे देशों में स्वीकार्यता पा रही है।

देखा जाये तो भारत और चीन दोनों ही अर्जेंटीना को एक बड़ा कृषि, औद्योगिक और खनिज स्रोत मानते हैं। हालांकि चीन का आक्रामक निवेश मॉडल भारत के लिए प्रतिस्पर्धा को कठिन बना देता है, खासकर तब जब भारत सतर्क और स्थिर निवेश नीति पर चलता है। सवाल उठता है कि भारत की रणनीतिक दिशा क्या होनी चाहिए इसका जवाब यह हो सकता है कि भारत को अर्जेंटीना सहित लैटिन अमेरिका के देशों में उच्च स्तरीय राजनीतिक और व्यापारिक संवाद को और गहरा करना होगा। साथ ही अर्जेंटीना में लिथियम जैसे संसाधनों के लिए भारत को चीन के समानांतर रणनीतिक साझेदारियाँ बनानी होंगी। इसके अलावा, सॉफ्ट पावर के माध्यम से भारत अर्जेंटीना में अपनी पहचान मजबूत कर सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अर्जेंटीना दौरे में देखने को आया कि भारत जिन उद्देश्यों और लक्ष्यों को लेकर चल रहा है उसमें सही रणनीति के साथ आगे बढ़ रहा है। वैसे भी हाल के वर्षों में भारत और अर्जेंटीना के द्विपक्षीय संबंध ऐतिहासिक, कूटनीतिक और आर्थिक दृष्टि से लगातार प्रगाढ़ हुए हैं। ये संबंध केवल व्यापार और कूटनीति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कृषि, खेल और संस्कृति जैसे विविध क्षेत्रों में भी परस्पर सहयोग का आधार बनते जा रहे हैं। हम आपको बता दें कि भारत और अर्जेंटीना के बीच औपचारिक राजनयिक संबंध 1949 में स्थापित हुए थे। दोनों देश वैश्विक मंचों पर समान विचार साझा करते हैं। जैसे बहुपक्षवाद, जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद विरोध और ग्लोबल साउथ की आवाज को सशक्त बनाना। पिछले दो दशकों में दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय राजनीतिक यात्राएं, व्यापारिक समझौते और रणनीतिक सहयोग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

प्रधानमंत्री की इस यात्रा के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर गौर करें तो आपको बता दें कि दोनों देशों ने रक्षा, अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में सहयोग को लेकर सहमति जताई। साथ ही अर्जेंटीना चूंकि लिथियम ट्रेलंग का हिस्सा है और भारत की इलेक्ट्रिक वाहन नीति के लिए लिथियम एक प्रमुख संसाधन है, इसलिए प्रधानमंत्री की यात्रा में लिथियम आपूर्ति के समझौते बेहद अहम रहे। इसके अलावा, अर्जेंटीना कृषि विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी में उन्नत है इसलिए भारत ने कृषि क्षेत्र में सहयोग की दिशा में भी कदम बढ़ाए हैं। साथ ही दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार को और बढ़ाने पर जोर दिया, विशेषकर आईटी, फार्मा और ऑटोमोबाइल सेक्टर में निवेश को प्रोत्साहन देने पर सहमति हुई।

आगे की संभावनाओं पर गौर करें तो कहा जा सकता है कि भारत-अर्जेंटीना संबंध आने वाले वर्षों में और अधिक सुदृढ़ हो सकते हैं, विशेषकर नवीकरणीय ऊर्जा, खासकर सौर और पवन ऊर्जा में। इसके अलावा, छात्र विनिमय कार्यक्रम और विश्वविद्यालयों के बीच साझेदारी से शिक्षा क्षेत्र में आपसी सहयोग और बढ़ने की संभावना है। साथ ही अर्जेंटीना की फुटबॉल विरासत और भारत की सांस्कृतिक विविधता के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान की भी अपार संभावनाएं हैं।

बहरहाल, कुल मिलाकर देखें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अर्जेंटीना यात्रा भारत की एसीटी ग्लोबल कूटनीतिक नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। इस यात्रा ने न केवल दोनों देशों के बीच सहयोग के नए द्वार खोले हैं बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की भूमिका को और सुदृढ़ किया है। अर्जेंटीना जैसे लैटिन अमेरिकी देशों के साथ भारत के संबंधों की सुदृढ़ता न केवल आपसी सहयोग को बढ़ावा देती है, बल्कि वैश्विक संतुलन की दिशा में एक सकारात्मक कदम भी है।

वर्ग पहेली 5787

1		2	3	■	4		5
	■	6				■	
■	7			■	8	9	■
10		■	■	11	■	12	
13		■	14		15		■
16				■	17		18
■		■	19	20	■	21	
■	■	22	■	23		■	

संकेतः बाएं से दाएं

1. 14 अगस्त इस पडोसी देश का स्वाधीनता दिवस है (4)
4. उत्तरप्रदेश की लोकसभा की इस सीट से स्मृति ईरानी सांसद है (3)
6. दूल्हा -दुल्हन (4)
7. दस्तावेज लिखित, कमलबंद (3)
8. अगर, जो (2)
10. आपत्ति, आक्रमण (2)
12. निशाना, अनुमान योग्य वस्तु, अनुमेय (2)
13. अधिकार, स्वामित्व, इख्तियार (2)
14. शान-शौकत (4)
16. मक्खन, माखन (4)
17. मुगलकाल में प्रवेश का प्रधानशासक यह कहलाता था (3)
19. दिनांक, तारीख (2)
21. घोड़े कीपीठ पर रखने की गद्दी (2)
22. गेंहू की तरह एक प्रसिद्ध अन्न (1)
23. लहू, रूधिर (2)

ऊपर से नीचे

1. कुंती का एकनाम पृथा भी था इनके पुत्र युधिष्ठिर, भीम, अर्जुन ये तीनों को यह कहा जाता है पर अधिकतर अर्जुन के लिए यह कहा जाता है (2)
2. स्तुति वादक को यह भी कहा जाता है (3)
3. नरम होने की अवस्था, अनैतिक (3)
4. न्याय के विरूद्ध कार्य, अनैतिक (3)
5. उपयुक्त, युक्ति संगत, मनोनुकुल (2)
7. तंत्र-मंत्र विधि से बनाय यंत्र (5)
9. मैत्री, दोस्ती, सान्तना, ढाढ़स (5)
10. रहने का तरीका या ढंग, गिरवी रखना (3)
11. समय, बेला (2)
14. फैलाव या तनाव होने की स्थिति यह भी कहलाती है (3)
15. आदत, जड़हन के खेत मे रोपी हुई धान की जूरी, समुद्र में ऊंची उठती लहर (2)
18. निर्मित या रचित होना, अस्तित्व प्रदान होना, काम के योगय होना (3)
20. गतिहीन, स्थितर, अचल, न डिगने वाला (2)

वर्ग पहेली 5786 का हल

त	स	ली	मा	न	स	री	न
ब	न	ना	■	ज	ल	ज	■
ला	म	■	सा	फ	■	न	न
■	क	बी	र	■	मा	ल	वा
उ	दा	र	■	आ	शा	■	ब
मा	■	ब	द	न	■	रो	जा
प	ह	ल	■	बा	ग	■	दा
ति	ल	■	जी	न	त	■	■

2020 के बाद पहली बार भारत में घट गई बिजली की खपत

(अंजन कुमार)

भारत में बिजली की खपत में 2020 के बाद पहली बार गिरावट आई है, जिसका मुख्य कारण इस साल गर्मी कम पड़ना है।

भारत में बिजली की खपत में गिरावट आई है। यह गिरावट 2020 के बाद पहली बार हुई है। 2020 में कोरोना महामारी के कारण आर्थिक गतिविधियां रुक गई थीं। उस समय बिजली की खपत कम हो गई थी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल से जून के महीने में बिजली की मांग में लगभग 1.5त्न की कमी आई है। सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी के डेटा से यह जानकारी मिली है। इस गिरावट का कारण इस साल गर्मी कम पड़ना है। गर्मी कम होने से लोगों ने एयर कंडीशनर और अन्य बिजली से चलने वाले उपकरणों का कम इस्तेमाल किया।

मौसम ठंडा रहने की वजह से बिजली की खपत कम हो गई – ब्लूमबर्ग न्यूज के अनुसार, यह चार सालों में पहली बार है जब बिजली की मांग में इतनी गिरावट आई है। भारत में गर्मी के मौसम में बिजली की मांग सबसे ज्यादा होती है। तापमान बढ़ने से लोग ज्यादा बिजली इस्तेमाल करते हैं। लेकिन इस साल मौसम ठंडा रहने से बिजली की मांग में ज्यादा बढ़ोतरी नहीं हुई। अगर बिजली की अधिकतम मांग पिछले साल के 250 गीगावाट से कम रहती है, तो यह 20 सालों में पहली बार होगा जब बिजली की मांग में कमी आएगी। बिजली की मांग में कमी आने से सरकार और बिजली कंपनियों दोनों को चिंता हो रही है। मौसम में बदलाव का असर बिजली के इस्तेमाल पर पड़ रहा है। इससे भविष्य में बिजली की मांग का अनुमान लगाना मुश्किल हो रहा है। साथ ही, बिजली उत्पादन और क्षमता बढ़ाने की योजना बनाने में भी दिक्कत आ रही है।

अक्षय ऊर्जा से बिजली उत्पादन लगभग 23 प्रतिशत बढ़ गया है – भारत में कोयले से चलने वाले बिजली संयंत्रों से लगभग 75 प्रतिशत बिजली पैदा होती है। बिजली की मांग कम होने से कोयले से बिजली उत्पादन पर असर पड़ा है। कोयले से बिजली का उत्पादन 7 तक गिर गया है। प्लांट लोड फैक्टर भी कम हो गया है। प्लांट लोड फैक्टर का मतलब है कि बिजली संयंत्र कितनी क्षमता से काम कर रहे हैं। यह पिछले साल 76.6प्रतिशत था, जो इस साल घटकर 69.6प्रतिशत हो गया है। कोयले से बिजली उत्पादन कम हुआ है, लेकिन दूसरे स्रोतों से बिजली उत्पादन बढ़ा है। परमाणु ऊर्जा और जलविद्युत उत्पादन में बढ़ोतरी हुई है। अक्षय ऊर्जा स्रोतों से बिजली उत्पादन में भी काफी वृद्धि हुई है। अप्रैल और मई में अक्षय ऊर्जा से बिजली उत्पादन लगभग 23प्रतिशत बढ़ा है।

बिजली योजनाकार बदलते पैटर्न को समझने की कोशिश में – बिजली की मांग में कमी आने से बिजली बाजार पर भी असर पड़ा है। स्पॉट पावर की कीमतें गिरकर महामारी के समय के स्तर पर आ गई हैं। इससे पता चलता है कि मौसम में बदलाव का बिजली बाजार पर कितना असर पड़ रहा है। भारत के बिजली योजनाकार अब मौसम के बदलते पैटर्न और बिजली के इस्तेमाल के बीच के संबंध को समझने की कोशिश कर रहे हैं। बिजली की खपत में बदलाव और मौसम में होने वाले बदलावों से देश के ऊर्जा तंत्र पर दबाव बढ़ रहा है।

आज का राशिफल

मेष

आज कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, जो आगे चलकर प्रमोशन या सम्मान का आधार बनेंगी। आपकी मेहनत को सराहना मिलेगी और वरिष्ठों से प्रोत्साहन मिलेगा। व्यापार से जुड़े लोगों को पुराने ग्राहकों से दोबारा संपर्क करना लाभदायक रहेगा। अगर आप कोई नया व्यापार शुरू करना चाह रहे हैं ।

वृष

आज दिन मेहनत और धैर्य की परीक्षा जैसा रहेगा। नौकरीपेशा लोग किसी विशेष मीटिंग या प्रेजेंटेशन में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं जिससे उनकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यापार में लाभ के योग बन रहे हैं, खासकर अगर आप सरकारी कॉन्ट्रैक्ट, निर्माण कार्य या लोहा, कपड़ा आदि के व्यवसाय में हैं।

मिथुन

आज दिन तरक्की से भरा होगा। दिन विशेष उपलब्धियों वाला हो सकता है। करियर में उन्नति के अच्छे योग बन रहे हैं, खासकर वे लोग जो लेखन, मार्केटिंग, शिक्षा या मीडिया से जुड़े हैं। ऑफिस में आपके विचारों को महत्व मिलेगा और किसी वरिष्ठ अधिकारी से सहयोग प्राप्त हो सकता है।

कर्क

आज किस्मत साथ दे रही है। आप अपने काम को लेकर उत्साहित रहेंगे और अपनी निर्णय क्षमता के दम पर अच्छा प्रदर्शन करेंगे। नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं जो उनके अनुभव में वृद्धि करेंगी।

सिंह

आज दिन तरक्की और सफलता से भरा होगा। धन के मामले में भाग्य साथ दे रहा है। कार्यक्षेत्र में आपकी नेतृत्व क्षमता लोगों को प्रभावित करेगी। नौकरी में पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यापारियों के लिए साझेदारी में किया गया कार्य लाभ देगा।

कन्या

आज भाग्य साथ दे रहा है। आप अपनी सूझबूझ और अनुशासन के दम पर अपने करियर में अच्छा प्रभाव छोड़ेंगे। नौकरीपेशा लोगों को अपने काम की तारीफ मिलेगी। व्यवसाय में रुके हुए मामलों में गति आ सकती है और कोई पुराना कस्टमर लौट सकता है।

तुला

आज दिन थोड़ा संघर्षपूर्ण हो सकता है। करियर में कुछ अवरोध आ सकते हैं और सहयोगियों के साथ तालमेल बनाना थोड़ा कठिन होगा। आज अगर आप व्यवसाय कर रहे हैं तो किसी साझेदार से मतभेद की स्थिति बन सकती है। पैसों की स्थिति थोड़ी कमजोर हो सकती है, खर्च बढ़ेंगे और आमदनी स्थिर रह सकती है।

वृश्चिक

आज दिन तरक्की से भरा होगा। दिन कारोबार और कामकाज के लिए बेहद सकारात्मक रह सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी योजनाएं सफल होंगी और किसी बड़े अधिकारी से तारीफ मिल सकती है। व्यवसाय में कोई बड़ा सौदा पूरा हो सकता है जिससे लंबी अवधि का फायदा मिलेगा।

धनु

आज किस्मत साथ दे रही है। धनु राशि वालों के लिए करियर में उन्नति और आर्थिक वृद्धि के संकेत हैं। नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा। जो लोग व्यापार करते हैं उन्हें कोई बड़ा ऑर्डर या सरकारी काम मिल सकता है। ससुराल पक्ष से आर्थिक लाभ मिलने के संकेत हैं।

मकर

आज दिन सफलता और तरक्की से भरा होने के योग हैं। मकर राशि वालों को काम के सिलसिले में अच्छी खबर मिल सकती है। ऑफिस में आपके कार्यों की सराहना होगी और प्रमोशन की संभावना भी बन सकती है। व्यापारियों को कोई पुराना ग्राहक फिर से संपर्क कर सकता है जिससे लाभ होगा।

कुंभ

आज दिन थोड़ा उतार-चढ़ाव वाला हो सकता है। करियर में मेहनत ज्यादा और परिणाम थोड़े कम हो सकते हैं। आर्थिक मामलों में सतर्क रहने की जरूरत है। कहीं से रुका हुआ पैसा मिलने की संभावना है लेकिन खर्च भी अचानक बढ़ सकते हैं। आज किसी से उधार न लें और न ही किसी को दें।

मीन

आज दिन नए अवसरों से भरा होगा। मीन राशि वालों के लिए नौकरी और व्यवसाय में नए अवसर मिल सकते हैं। पदोन्नति या नई भूमिका मिलने की संभावना है। व्यवसाय में पूंजी लगाना लाभदायक रहेगा। आज आप कोई नई आर्थिक योजना शुरू कर सकते हैं जो भविष्य में अच्छा लाभ देगी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक अरूण कुमार पटेल द्वारा अरुण ऑफसेट प्रिंटर्स, द मॉल शॉपिंग काम्प्लेक्स, कोलार रोड भोपाल से मुद्रित कराकर आनंद विद्या भारती स्कूल के सामने सिराज उद्दीन खान म.नं. 5 जिला राजगढ़ से प्रकाशित। **संपादकः** अरुण कुमार पटेल, **स्थानीय संपादकः इफ्तेखार उद्दीन खान,** मो. 9977442619 उप संपादक : कमरुद्दीन खॉन मो. 9425442435(समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र राजगढ़ होगा।)

जनसुनवाई में सुनी गई आमजन की समस्याएं

जरूरतमंदों को मिली आर्थिक सहायता

राजगढ़, निप्र। जिला मुख्यालय पर प्रति मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई में आमजन की समस्याओं का निराकरण किया जाता है। कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा द्वारा 08 अप्रैल को आयोजित जनसुनवाई में ग्राम गुलावता निवासी दुर्गाप्रसाद ने बताया कि आवेदक का भतीजे गंभीर बीमारी से पीड़ित है। जिस पर कलेक्टर द्वारा आवेदक दुर्गाप्रसाद को 05 हजार रूपये की रेडक्रास से आर्थिक सहायता का चेक दिया गया। इसी तरह ग्राम मोठबड़ली निवासी रामबाई ने बताया कि आवेदक निर्धन व पति की बीमारी से पीड़ित है। आवेदक का पति शारीरिक रूप से दुर्बल एवं समर्थ है आवेदक के छोटे छोटे बच्चे है। जिनका वहा भरण पोषण करने में परेशानी होती है। जिस पर कलेक्टर द्वारा आवेदक को रेडक्रास से 5 हजार रूपये का चेक प्रदान कर आर्थिक सहायता दी। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री शिवप्रसाद मंडराह सहित संबंधित विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

जनसुनवाई में ग्राम बंजारी निवासी सेतान बाई ने बताया कि आवेदक के पास रहने की लिए आवास नहीं है। कच्चे व शासकीय जमीन पर गुजर बसर कर रही है। आवेदक बहुत गरीब व असहाय है आवेदक को प्रधानमंत्री आवास का लाभ भी नहीं मिला है। कलेक्टर द्वारा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत ब्यावरा को जांच हेतु निर्देशित किया गया। ग्राम रूघनाथगढ़ निवासियों ने बताया कि आवेदकों को अपनी जमीन पर कृषि हेतु जाने वाले रास्ते पर कुछ गांव वालों द्वारा जाने नहीं दिया जा रहा है। जिससे आवेदकों को कृषि करने व अन्य कार्य करने में काफी परेशानियों का सामना करना पड रहा है। कलेक्टर द्वारा तहसीलदार राजगढ़ को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। ग्राम तारागज निवासी दीपक ने बताया कि आवेदक का विवाह अन्तरजातीय है। अन्तरजातीय विवाह होने पर शासन से मिलने वाली प्रोत्साहन राशि का लाभ आवदेक को नहीं दिया जा रहा है।

कलेक्टर द्वारा संबंधित को नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। ग्राम चौकी निवासी श्यामबाई ने बताया कि आवेदक बहुत गरीब है। आवदेक को भरण-पोषण करने व घर खर्च चलाने में काफी परेशानीयों का सामना करना पड रहा है। आवेदक को पेंशनके साथ ही अन्य शासन की महत्वकांक्षी योजनाओं का लाभ भी नहीं मिल रहा है। जिससे आवेदक काफी परेशान कलेक्टर द्वारा सामाजिक न्याय विभाग को नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। ग्राम रनावा निवासी रामचरण ने बताया कि आवेदक को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिला है। आवेदक बहुत गरीब परिवार से है।आवेदक कच्चे मकान में निवास कर रहा है। आवेदक के परिवार को रहने खाने में काफी परेशानियों का सामना कर पड रहा है। कलेक्टर द्वारा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत नरसिंहगढ़ को जांच हेतु निर्देशित किया गया। इस दौरान आवेदकों से 140 आवेदन प्राप्त हुए। समस्त आवेदनों का समय सीमा में निराकरण करने के लिए संबंधित अधिकारियों को पाबंद किया गया।

अंतरजातीय विवाह की प्रोत्साहन राशि नहीं मिली

तारागज के दीपक ने बताया कि उसका विवाह अंतरजातीय है। शासन की प्रोत्साहन राशि नहीं मिली। चौकी गांव की श्यामबाई ने बताया कि वह बहुत गरीब है। पेंशन और अन्य योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा। घर खर्च चलाना मुश्किल हो रहा है। कलेक्टर ने सामाजिक न्याय विभाग को कार्रवाई के निर्देश दिए। रनावा गांव के रामचरण ने बताया कि उसे प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिला। कच्चे मकान में रह रहा है। परिवार को रहने और खाने में दिक्कत हो रही है। कलेक्टर ने जनपद पंचायत नरसिंहगढ़ के सीईओ को जांच के निर्देश दिए। जनसुनवाई में कुल 140 आवेदन प्राप्त हुए। सभी आवेदनों के समय-सीमा में निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को पाबंद किया गया। इस दौरान अपर कलेक्टर शिवप्रसाद मंडराह सहित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

11 सूत्रीय मांगों को लेकर कोटवार संघ ने मुख्यमंत्री के नाम तहसील में सौंपा ज्ञापन

राजगढ़/पचोर, निप्र। आजाद कोटवार कर्मचारी संघ ने 11 सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के नाम तहसील कार्यालय में ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन राजस्व निरीक्षक रामगोपाल शर्मा द्वारा लिया गया। ज्ञापन से माध्यम से पटवारी संघ ने बताया कि तय समय सीमा में मांगें नहीं मानी गईं तो 15 अगस्त के बाद सभी कोटवार परिवार सहित पैदल तिरंगा यात्रा लेकर भोपाल जाएंगे और मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपेंगे। इस दौरान माधव, मुकेश नागर, देवकरण राठौर, मांगीलाल भिलाला, जगदीश जोगी, भंवरलाल मालवीय, गंगाधर भिलाला, जसवंत वर्मा, भगवान सिंह भिलाला, राजेश परमार, घनश्याम रुहेला, बहादुर विश्वकर्मा, रमेश भिलाला सहित अन्य कोटवार उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

गोवंश को सड़क हादसों से बचाने के लिए पहनाए रेडियम के पट्टे

राजगढ़/नरसिंहगढ़, निप्र। बजरंग दल की नरसिंहगढ़ इकाई ने सेवा सप्ताह के तहत निराश्रित गोवंश को सड़क हादसों से बचाने के लिए रविवार की रात गोवंश के गले में रेडियम पट्टे बांधे। यह अभियान दो दिन चला। कार्यकर्ताओं ने नेशनल हाईवे एनएच-46 के चिन्हित स्थानों पर यह काम किया। बजरंग दल ने समाज से अपील की कि हर किसान एक गाय अपने घर पर रखे। इससे गोवंश की रक्षा होगी। गोवंश गोशाला में रखने के लिए नहीं है। वह किसान के खूंटे की शोभा है। धार्मिक आयोजनों में भी गोवंश और गोसंवर्धन के महत्व को शामिल किया जाए। इस अभियान में नगर मंत्री दीपेंद्र राठौड़, प्रिंस गुप्ता, राजेंद्र तोमर, हेमंत खींची, प्रकाश शाक्यवार, पवन कुशवाहा, हरिओम जाटव, मनीष जाटव, जितेंद्र शाक्य, बाल लखन लोहार, शेरा लोहार, सूरज लोहार, मनोज लोहार, गोलू लोहार, सुनील लोहार सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

हटने लगी शहर की जर्जर इमारतें, पीडब्ल्यूडी ने शुरू की कार्रवाई

राजगढ़, निप्र। शहर के मुख्य मार्गों पर खतरा बनकर खड़ी जर्जर इमारत को हटाने की शुरुआत आखिर सोमवार से हो गई। कलेक्टर के निर्देश और नगर पालिका के नोटिस के बाद सोमवार से लोक निर्माण विभाग ने मुख्य सड़कों पर खड़ी अपने अधीन आने वाली इमारत को हटाने की शुरुआत कर दी। बीते दिनों कलेक्टर के निर्देश के बाद नगर पालिका ने शहर के मुख्य सड़क किनारे खड़ी 8 जर्जर इमारत को चिन्हित कर इन्हें हटाने के लिए नोटिस जारी किए थे। इनमें से छह इमारतें लोक निर्माण विभाग के अधीन है। इनको हटाने के लिए शनिवार को विभाग के एसडीओ पीएम धनवाल ने सोमवार से कार्रवाई शुरू करने की बात की थी। हालांकि उन्होंने सबसे पहले वार्ड से स्थित पुराने पुलिस क्वार्टर से कार्रवाई की शुरुआत की जानकारी दी थी। लेकिन इस कार्रवाई की शुरुआत जय स्तंभ चौक के समीप खड़ी उसी पुरानी शासकीय भवन से हुई।

बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने पौधे रोपे

राजगढ़, निप्र। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा 1 से 7 जुलाई तक सेवा सप्ताह मनाया जा रहा है। इस दौरान समाज कल्याण और सेवा से जुड़े कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में राजगढ़ प्रखंड ने प्रसिद्ध प्राचीन शिव मंदिर खोयरी परिसर में पौधरोपण किया। कार्यकर्ताओं ने पौधों की देखभाल का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि जब तक ये पौधे वृक्ष नहीं बनते, तब तक इनकी देखभाल करेंगे। इस मौके पर जिला संगठन मंत्री मुकेश माहेश्वरी, जिला सह मंत्री मयंक जायसवाल, प्रखंड मंत्री संतोष राणा, प्रखंड संयोजक प्रकाश तंवर, प्रणव राणा, सौरभ भदौरिया, अनय जायसवाल सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आईटीआई में महिलाओं के प्रवेश के लिए पंजीयन

राजगढ़, निप्र। शासकीय आदर्श औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, राजगढ़ ने बताया कि जिले की शासकीय आईटीआई में महिलाओं के प्रवेश के लिए पंजीयन और च्वाइस फिलिंग शुरू हो गई है। यह प्रक्रिया कौशल विकास संचालनालय के अंतर्गत चल रही है। जिले में कुल 1036 सीटें हैं। इनमें से 35 प्रतिशत यानी 363 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की गई हैं। पहले चरण में पंजीयन और च्वाइस फिलिंग 5 से 11 जुलाई 2025 तक की जा सकेगी। आवेदन करने के लिए कक्षा 10वीं उत्तीर्ण होना जरूरी है।

नगरीय क्षेत्र से जुड़े ग्रामीण क्षेत्र में बनेगा बायपास, फोरलेनिंग का प्रस्ताव तैयार

सुसनेर, निप्र। शहर से गुजरने वाले फोरलेन को अब बायपास से निकाला जाएगा। इसके लिए ग्रामीण क्षेत्र से होकर नया रास्ता तय किया गया है। करोड़ों की लागत वाले इस प्रोजेक्ट की पहली कड़ी में सड़क अलायमेंट की डिजाइन बन चुकी है। एनएचएआई द्वारा तैयार इस अलायमेंट पर राजस्व विभाग ने भू-अर्जन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अधिसूचना जारी होने के बाद दावे-आपत्ति की प्रक्रिया पूरी होगी। इसके बाद निर्माण कार्य शुरू होगा। प्राधिकरण ने सर्वे के बाद तैयार नक्शे को मंजूरी दे दी है। तय नक्शे के अनुसार फोरलेन अब नगरीय सीमा से बाहर होकर निकलेगा। यह बायपास पूर्व दिशा में ग्राम कायरा, ढाबला-ढाबली, श्री आस्था स्कूल, राजबाग मैरिज गार्डन, जामुनिया, आमला नानकार और कड़िया से होकर गुजरेगा।

35 सर्वे नंबर्स की जमीन जद में आएगी : सुसनेर में यह बायपास एक निजी होटल के पास आगर रोड से शुरू होगा। मां बंगला मुखी पंप के पीछे से जामुनिया रोड, एक निजी स्कूल, मोड़ी रोड होते हुए सोयत रोड पर एक होटल के पास से नेशनल हाईवे 552 जी से जुड़ जाएगा। करीब 35 सर्वे नंबर्स की जमीन इस फोरलेन की जद में आएगी। इनमें निजी और शासकीय जमीन शामिल है। अधिसूचना के बाद ही यह तय होगा कि कितनी जमीन अधिग्रहित होगी। एसडीएम सर्वेश यादव ने बताया कि फोरलेन अब नगरीय क्षेत्र के पास से बायपास होकर निकलेगा।

बीजासन धाम पहुंचे सांसद, समिति सदस्यों के साथ पौधरोपण किया

राजगढ़/संडावता, निप्र। भैंसवा माताजी की पहाड़ी को हरा-भरा बनाने के लिए हर साल सैकड़ों पौधे लगाए जा रहे हैं। अब ये पौधे बड़े होकर फल और छाया देने लगे हैं। मुख्य मंदिर के पीछे लगाए गए पौधे समिति की देखरेख में घने हो गए हैं। यज्ञशाला के परिक्रमा मार्ग पर चार साल पहले लगाए गए पौधे अब यज्ञस्थल पर प्राकृतिक छाया दे रहे हैं। रविवार को सांसद रोडमल नागर भैंसवा माता पहुंचे। उन्होंने आम, नीम, पीपल और बरगद के पौधे रोपे। इस दौरान उन्होंने मंदिर की व्यवस्था से जुड़ी जानकारी समिति सदस्यों से ली। सांसद ने कहा कि जड़ों से जुड़े रहना और प्रकृति में वृक्षों का संतुलन बनाए रखना जरूरी है।

इस मौके पर समिति से जुड़े जनपद अध्यक्ष देवनारायण नागर, सरपंच कुलदीप नागर, बीजेपी मंडल अध्यक्ष गिरवर नागर, समाजसेवी अजय विजयवर्गीय, ओम प्रकाश पाटीदार, नरसिंह बंजारा, दुर्गा पंडा, हेमराज पटेल, शिव नागर, राजेश भंडारी, पंडा परिवार और अन्य भक्तजन मौजूद रहे।

सीएम मोहन यादव 12 जुलाई को आएंगे नरसिंहगढ़

दौरे से पहले कलेक्टर ने की समीक्षा, कैबिनेट मंत्री भी मौके पर पहुंचे

राजगढ़, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 12 जुलाई को नरसिंहगढ़ दौरे पर आने वाले हैं। इसे लेकर प्रशासन तैयारियों में जुट गया है। सोमवार को कलेक्टर डॉ. गिरीश मिश्रा ने मौके पर पहुंचकर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उनके साथ कैबिनेट मंत्री गौतम टेटवाल और नारायण सिंह पंवार भी मौजूद रहे। विधायक मोहन शर्मा ने भी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। बरसात को देखते हुए कार्यक्रम स्थलों पर सुरक्षा, स्वच्छता और यातायात प्रबंधन को लेकर अफसरों को निर्देश दिए गए। सड़क मार्ग, हेलीपैड, पार्किंग, बिजली लाइन, पेयजल, एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड जैसी व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई।

ई-ऑफिस और हेल्पलाइन की भी समीक्षा

मुख्यमंत्री के दौरे से पहले ई-ऑफिस और सीएम हेल्पलाइन से जुड़ी शिकायतों की स्थिति भी देखी गई। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि जिन योजनाओं के लक्ष्य तय हैं, उन्हें तय समय पर पूरा करें।

ई-केवायसी नहीं तो वेतन भी नहीं

बैठक में एक अहम फैसला यह भी लिया गया कि जिन कर्मचारियों की ई-केवायसी अब तक नहीं हुई है, उनका वेतन रोक दिया जाएगा। कलेक्टर ने कोषालय को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि केवल उन्हीं कर्मचारियों का भुगतान किया जाए जिनकी ई-केवाईसी अपडेट हो चुकी है। सीएम दौरे की घोषणा के बाद से नरसिंहगढ़ में प्रशासनिक गतिविधियां तेज़ हो गई हैं। हर विभाग से कहा गया है कि फील्ड में जाकर ज़मीनी तैयारी सुनिश्चित करें।

गायत्री परिवार की बैठक, युवाओं को सही दिशा देने पर चर्चा की गई

राजगढ़/पचोर, निप्र। अखिल भारतीय गायत्री शक्तिपीठ की बैठक नेवज तट पर हुई। बैठक में जिला समन्वयक डा. ओपी पंवार और तहसील समन्वयक विष्णु नागर मौजूद रहे। बैठक में घर-घर गायत्री यज्ञ की समीक्षा की गई। सामूहिक जप, ज्योति कलश स्थापना, पर्यावरण जागरण, बाल संस्कारशाला, नशा मुक्ति के लिए प्रयास के साथ युवा शक्ति को सही दिशा देने पर चर्चा की गई। मंडलों का गठन कर समाज और राष्ट्रहित में जनसामान्य को प्रेरित करने की योजना बनाई गई। बैठक में गुरुपूर्णिमा महोत्सव की तैयारियों पर भी चर्चा की गई। आने वाले दिनों में वृक्षारोपण, मंडलों का गठन और उनके कार्य व भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा को लेकर कार्ययोजना तैयार कर जिम्मेदारियां दी गई। बैठक में बताया कि गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार द्वारा पूरे देश में नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति से परिचित कराने व मानव में देवत्व का उदय करने के लिए भारतीय संस्कृति सामान्य ज्ञान परीक्षा का आयोजन किया जाता है। नगर में भी अधिक विद्यालयों में कक्षा पांचवी से लेकर महाविद्यालयों में सामान्य ज्ञान परीक्षा आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। भारतीय संस्कृति सामान्य ज्ञान परीक्षा आयोजित करने के लिए समिति का गठन किया गया।

बैठक में मुख्य ट्रस्टी मुकेश शर्मा, हरिनारायण गोयल, प्रकाश जायसवाल, राजेश नरवरिया, महेश पटेल, जगदीश वर्मा, बिहारीलाल रुहेला सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

अष्टान्हिका महापर्व : महाविधान मंडल में श्रद्धालुओं ने 356 महाअर्घ अर्पित किए

सारंगपुर, निप्र। श्री महावीर अतिशय क्षेत्र बड़ा मंदिर में चल रहे अष्टान्हिका महापर्व के दौरान गुरुवार को सिद्धचक्र महामंडल विधान पर श्रद्धालुओं द्वारा 356 महाअर्घ समर्पित किए गए। इस दौरान प्रथम शांतिधारा का सौभाग्य अक्षत-विजय जैन को प्राप्त हुआ। श्रीजी का विशेष अभिषेक चार पवित्र कलशों द्वारा किया गया।

अभिषेक का लाभ अजय, सौरभ, सिद्धार्थ, अनुपमा, मीनल, अभिनव, वेदिका, अभिनंदन, अविश, ध्रुवी, पारस, दिलीप, गरिमा, महेश, स्मिथ, आदित्य और मनोरमा जैन को प्राप्त हुआ। पूजन का संपूर्ण विधान पंडित महेश जैन के निर्देशन में सम्पन्न हो रहा है। ललितपुर के भजन गायक राजा भैय्या द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गई।

कार्यक्रम के दौरान धार्मिक आयोजनों के साथ-साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियां श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक प्रेरणा प्रदान कर रही है। रुचि सिंघई के निर्देशन में मंचित नाटिका वैराग्य की ओर की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में डा. लतेश सिंघई, नीलम सिंघई, संजीव जैन, रश्मि जैन, वान्या जैन के साथ अन्य लोग उपस्थित रहे।

खिलचीपुर में बस की टक्कर से किसान घायल

गाय को बचाने के चक्कर में तेज रफ्तार में मोड़ी बस, ड्राइवर फरार

राजगढ़, निप्र। राजगढ़ जिले के खिलचीपुर में मंगलवार को अस्पताल के सामने तेज रफ्तार बस ने पैदल जा रहे एक किसान को टक्कर मार दी। हादसे में किसान गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पवन बस (एमपी39पी0243) खिलचीपुर बस स्टैंड से सवारियां भरकर सोयत जा रही थी। इसी दौरान अस्पताल के पास सड़क पर बैठी गाय को बचाने के लिए चालक ने बस को तेजी से मोड़ा। रफ्तार अधिक होने से बस अनियंत्रित हो गई और पैदल चल रहे किसान मदन सिंह से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि किसान उछलकर दूर जा गिरा।

बस चालक मौके से फरार, लोगों ने पहुंचाया अस्पताल : हादसे के बाद न तो बस सवारों ने मदद की और न ही चालक रुका। वह बस मौके पर छोड़कर फरार हो गया। घायल किसान को स्थानीय लोगों ने तुरंत अस्पताल पहुंचाया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और बस को जब्त कर लिया है। चालक की तलाश की जा रही है।

पहले भी हो चुकी हैं ऐसी घटनाएं

स्थानीय लोगों का कहना है कि पवन बसें नगर में तेज रफ्तार से दौड़ती हैं। चालक स्पीड ब्रेकर और भीड़भाड़ की परवाह किए बिना हॉर्न बजाते हुए निकलते हैं। पहले भी कई हादसे हो चुके हैं, लेकिन कार्रवाई न होने से बस संचालकों के हौसले बढ़ते जा रहे हैं। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि नगर क्षेत्र में स्पीड लिमिट का कड़ाई से पालन कराया जाए। साथ ही पवन बस पर कार्रवाई की जाए ताकि इस तरह की लापरवाही पर रोक लगाई जा सके।

कृषि विभाग ने की सायबर ठगों से बचने अपील की

राजगढ़ , निप्र। कृषि अभियांत्रिकी विभाग ने किसानों को सायबर ठगों से सतर्क रहने की सलाह दी है। विभाग ने एडवायजरी जारी कर बताया कि कस्टम हायरिंग सेंटर योजना का लाभ दिलाने के नाम पर कुछ लोग खुद को विभागीय अधिकारी बताकर ठगी कर रहे हैं, ऐसे कई मामले सामने आए हैं।

संचालक कृषि अभियांत्रिकी ने कहा कि कस्टम हायरिंग योजना की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी है। किसी भी हितग्राही से योजना के लिए सीधे संपर्क नहीं किया जाता। उन्होंने किसानों से अपील की कि अनजान नंबरों से आने वाले कॉल, वॉट्सऐप कॉल, वीडियो कॉल या किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से आने वाले कॉल न उठाएं। उन्होंने कहा कि अनजान लोगों पर भरोसा न करें। उनसे कोई भी व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें। हो सकता है वे आपकी जानकारी अन्य माध्यम से लेकर आपको परेशान करें।

एक लाख के 6 करोड़ बनाने वाला शेयर

5 रुपये से कम के इस मल्टीबैगर में मचाई धूम

नईदिल्ली, एजेंसी। स्टॉक मार्केट में कई शेयर मल्टीबैगर बने हुए हैं। इन्होंने निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दिया है। ऐसे ही एक शेयर ने अपने निवेशकों के ऊपर पैसों की बारिश कर दी है। इस शेयर का नाम आरआईआर पावर इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड है। इसने लॉन्ग टर्म में निवेशकों को करोड़पति बना दिया है। इसके रिटर्न का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसने एक लाख रुपये को 6 करोड़ रुपये से ज्यादा में बदल दिया है।

बुधवार को आरआईआर का शेयर तेजी के साथ खुला, लेकिन बाद में इसमें गिरावट आ गई। सुबह 11:30 बजे यह शेयर 1.33 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2694 रुपये पर कारोबार कर रहा था। हालांकि इस दौरान भी इसमें उतार-चढ़ाव बना हुआ था। रिटर्न के मामले में इस शेयर का यह साल बहुत खराब रहा है, लेकिन पिछला रेकॉर्ड देखें तो यह शानदार रहा है। एक साल या इससे ज्यादा के समय में इसने निवेशकों की जेबें भर दी हैं।

इस शेयर ने रिटर्न के मामले में इस साल निवेशकों को निराश किया है। 1 जनवरी 2025 को इसकी कीमत करीब 3019 रुपये थी। अब 2694 रुपये है। ऐसे में देखा जाए तो यह शेयर इस साल 10 फीसदी से भी ज्यादा गिर गया है। यानी इस साल इस शेयर में निवेश करने वालों को अभी तक निराशा ही हाथ लगी है। इसने एक और 5 साल के निवेश पर निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिया है। एक साल में इस शेयर में 40 फीसदी से ज्यादा उछाल आया है। वहीं बात अगर 5 साल की करें तो इसका रिटर्न करीब 8800 फीसदी रहा है। यानी 5 साल में इस शेयर ने एक लाख रुपये को 89 लाख रुपये में बदल दिया है। एक लाख रुपये के निवेश पर सीधे 88 लाख रुपये से ज्यादा का फायदा।

एक लाख के बना दिए 6 करोड़ से ज्यादा

अगर हम कुछ और लॉन्ग टर्म पर जाएं तो इसने एक लाख रुपये को 6 करोड़ रुपये से ज्यादा में बदल दिया है। 19 साल पहले इसकी कीमत 4.20 रुपये थी। अब यह शेयर 2694 रुपये पर कारोबार कर रहा है। ऐसे में देखा जाए तो इसने निवेशकों को इतने समय में 64000 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया है। अगर आपने 19 साल पहले इसमें एक लाख रुपये निवेश किए होते तो उनकी वैल्यू 6.40 करोड़ रुपये होती। यानी एक लाख रुपये के निवेश पर 19 साल में इसने 6 करोड़ रुपये से ज्यादा का मुनाफा दिया है।

क्या करती है कंपनी

आरआईआर पावर कंपनी सेमीकंडक्टर सेक्टर में काम करती है। कंपनी कई तरह की सेमीकंडक्टर डिवाइस, सेमीकंडक्टर मॉड्यूल आदि बनाती है। कंपनी का मार्केट कैप 1,513.57 करोड़ रुपये है। बीएसई की ऑफिशियल वेबसाइट के मुताबिक कंपनी का मार्केट कैप करीब 2056 करोड़ रुपये है।

मानसून से पहले म्यूचुअल फंड बाजार में खूब बरसा पैसा

निवेशकों ने किन फंड्स पर प्यार लुटाया

मुंबई, एजेंसी। म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों के लिए एक अच्छी खबर है! जून के महीने में इक्विटी म्यूचुअल फंड में खूब पैसा आया है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया के आंकड़ों के अनुसार, यह निवेश इसी साल के मई के मुकाबले 24 प्रतिशत बढ़कर 23,587 करोड़ रुपये हो गया है। बीते मई में यह आंकड़ा 19,013 करोड़ रुपये था।

निवेशकों की पहली पसंद कौन से फंड- बीते जून महीने के दौरान इक्विटी म्यूचुअल फंड के 11 अलग-अलग प्रकारों में से, श्वस्र्स को छोड़कर बाकी सभी में जून में निवेश बढ़ा है। फ्लेक्सी कैप फंड निवेशकों की पहली पसंद बने हुए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 5,733 करोड़ रुपये का निवेश आया है। मई 2025 में यह 3,841 करोड़ रुपये था। यानी कि एक महीने में 49 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

छोटे और मध्यम आकार की कंपनियों वाले फंड्स, जिन्हें स्मॉल-कैप और मिड-कैप फंड कहा जाता है, में भी अच्छा निवेश हुआ है। बीते जून महीने के दौरान स्मॉल-कैप फंड में 4,024 करोड़ रुपये और मिड-कैप फंड में 3,754 करोड़ रुपये का निवेश आया है। इनमें क्रमशः 25 प्रतिशत और 34 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

श्वस्र्स से निकाल रहे हैं पैसा- इनकम टैक्स एक्ट में बदलाव के बाद इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम यानी ईएलएसएस का क्रेज अब कम हो रहा है। बीता महीना लगातार तीसरा ऐसा महीना रहा जबकि श्वस्र्स, यानी टैक्स बचाने वाले म्यूचुअल फंड से लोग अपना पैसा निकाल रहे हैं। जून 2025 के दौरान इस फंड से 556 करोड़ रुपये निकाले गए।

भारत ने खोले अंतरराष्ट्रीय तकनीकी सहयोग के द्वार, समुद्री क्षेत्र में की जाएगी तेल-गैस की खोज

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत ने ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम बढ़ाते हुए समुद्र के भीतर 2.5 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में तेल व गैस की खोज व उत्पादन का अभियान शुरू किया है। इस रणनीतिक परियोजना के लिए सरकार ने अंतरराष्ट्रीय तकनीकी सहयोग के द्वार खोले हैं और कई देशों के साथ साझेदारी पर बातचीत जारी है।

पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने पुष्टि की है कि यह परियोजना भारतीय समुद्री सीमा के पूर्वी व पश्चिमी अपतटीय क्षेत्रों में डीपवॉटर हाइड्रोकार्बन खोज के रूप में शुरू की जा रही है। यह क्षेत्र अरब सागर और बंगाल की खाड़ी तक फैला हुआ है और वैज्ञानिक सर्वेक्षणों से यहां तेल व प्राकृतिक गैस की संभावनाएं उजागर हुई हैं। डीपवाटर का मतलब समुद्र की वह गहराई जहां पारंपरिक कम गहराई वाले क्षेत्रों से आगे जाकर तेल-गैस की खोज होती है। यह कार्य 500 मीटर से अधिक गहरे क्षेत्रों में किया जाता है। परियोजना के अंतर्गत ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) व ऑयल इंडिया जैसी सरकारी कंपनियां मुख्य भूमिका निभा रही हैं।

सब्जियों की कीमत घटने से शाकाहारी थाली एक साल में 8 प्रतिशत सस्ती, टमाटर का भाव 24 फीसदी गिरा

नईदिल्ली, एजेंसी। टमाटर, प्याज और आलू की कीमतों में सबसे अधिक गिरावट आने से घर में बन रही शाकाहारी और मांसाहारी थाली की लागत जून में सालाना आधार पर घट गई है। क्रिसिल इंटेलिजेंस की रिपोर्ट के अनुसार, शाकाहारी थाली 8 फीसदी और मांसाहारी थाली 6 फीसदी सस्ती हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, शाकाहारी थाली की कीमत इस साल जून में 27.1 रुपये रही, जो पिछले साल जून में 29.4 रुपये की थी। हालांकि, इस साल मई के 26.2 रुपये की तुलना में यह महंगी हो गई है। इसी तरह, मांसाहारी थाली इस साल जून में 54.8 रुपये की रही, जो पिछले साल इसी महीने में 58 रुपये की थी। हालांकि, यह भी मई के 52.6 रुपये की तुलना में महंगी हो गई है।

टमाटर का भाव 24 प्रतिशत गिरा- टमाटर एक साल में 42 रुपये से 24 फीसदी गिरकर 32 रुपये किलो हो गया है लेकिन मासिक आधार पर 36 फीसदी महंगा है, क्योंकि आवक में आठ फीसदी की भारी कमी आई है। सालाना आधार पर प्याज 27 व आलू 20 फीसदी सस्ता हुआ है। हालांकि, मासिक आधार पर आलू चार फीसदी महंगा हुआ, जबकि प्याज का भाव स्थिर रहा। मांसाहारी थाली की कीमत में 50 फीसदी का योगदान देनेवाले चिकन का भाव भी तीन फीसदी गिरा है। अनुमान है कि ब्रॉयलर की कीमतों में महीने दर महीने 5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिससे नॉनवेज थाली की लागत में वृद्धि हुई है।

सहकारी बैंकिंग क्षेत्र में मजबूती व स्थिरता बढ़ी, पोर्टफोलियो बैलेंस 2.9 लाख करोड़ रुपये हुआ

मुंबई, एजेंसी। देश के अर्बन को-ऑपरेटिव बैंकों (सहकारी बैंकिंग क्षेत्र) का कुल पोर्टफोलियों बैलेंस मार्च 2025 तक 2.9 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। इसमें मार्च 2020 की तुलना में यानी बीते पांच वार्षों में 1.8 गुना वृद्धि हुई है। नेशनल अर्बन को-ऑपरेटिव फाइनेंस एंड डेवलपमें कॉरपोरेशन (एनयूसीएफडीसी) और ट्रांसयूनियन सिबिल (सिबिल) की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

डिजिटलिकरण ने डाला असर – इसमें कहा गया कि बैलेंस पोर्टफोलियो बढ़ने की मुख्य वजह कई उत्पाद कैटेगरी में दोहरे अंकों में वृद्धि साथ ही ऋण की बढ़ती मांग और विस्तृत बाजारों में पहुंच है। देश में डिजिटलिकरण होने की वजह से इन बैंकों के कामकाज में भी बदलाव आया है, जिसमें तकनीक आधारित बदलाव की वजह से नया ग्राहक वर्ग भी बैंकों से जुड़ रहा है।

2030 तक बैंकिंग क्षेत्र में 11.5 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान – रिपोर्ट के अनुसार भारत के 1,472 अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक देश की अगली वित्तीय वृद्धि में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। विशेषकर यह बैंक छोटे शहरो, अर्ध शहरी क्षेत्रों में लोगों तक आसान और व्यापक रूप से ऋण की सुलभता में मदद कर रहे हैं। 2030 तक बैंकिंग सेक्टर में हर साल 11.5 प्रतिशत की दर से वृद्धि का अनुमान है। ऐसे में अर्बन को-ऑपरेटिव बैंको को भारत के समावेशी विकास लक्ष्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए देखा जा रहा है। रिपोर्ट इस बात को मानती है कि स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं में इनकी गहरी पकड़ और समुदयों से मजबूत जुड़ाव इन बैंकों को भारत के उधारकर्ताओं को औपचारिक ऋण उपलब्ध करवाने की दिशा में विशेष रूप से सक्षम बनाते हैं।

को-ऑपरेटिव बैंक 9 करोड़ भारतीयों तक पहुंचा रहे सेवाएं- रिपोर्ट के अनुसार अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक लगभग 9 करोड़ भारतीयों तक अपनी सेवाएं पहुंचाते हैं। भारत की अर्थव्यवस्था जिस तेजी के साथ 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है। इसके लिए सूक्ष्म उद्यमियों, स्वरोजगार करने वाले युवाओं, महिला नेतृत्व वाले स्वयं सहायता समूहो, असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों और पहली बार घर खरीदने वाले प्रत्येक भारतीय को सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

ऋण वितरण में हुई 7.4 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि- भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा हाल में जारी की गई फाइनेंशियल स्टेबिलिटी रिपोर्ट के अनुसार अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक की मार्च 2025 तक ऋण वितरण की वार्षिक वृद्धि दर 7.4 प्रतिशत तक पहुंच गई, जिसमें शेड्यूल्ड और नॉन शेड्यूल्ड अर्बन को-ऑपरेटिव बैंकों ने ऋण गतिविधियों को बढ़ाने में भूमिका निभाई है। पूंजी की स्थिति में सुधार हुआ है और कुल कैपिटल टू रिस्क वेटेड एसेट्स रेश्यो (सीआरएआर) बढ़कर 18.0 प्रतिशत हो गया है, साथ ही संपत्ति गुणवत्ता में सुधार हुआ है, ग्रॉस एनपीए घटकर 6.1 और नेट एनपीए 0.6 प्रतिशत पर आ गया है।

जून तिमाही में निचले तबके की कमाई बढ़ी, पर्सनल लोन लेने में भी तेजी; सोने के बदले लिए जाएंगे अधिक कर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। आर्थिक स्थितियों में बेहतरी से निचले व मध्यम वर्ग की कमाई में सुधार आ रहा है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकनॉमी यानी सीएमआईई के मुताबिक, सालाना एक लाख से 5 लाख रुपये कमाने वालों की आय में तेजी से वृद्धि हुई है। हालांकि, पांच से 10 लाख कमाने वालों की आय में कम वृद्धि हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, सालाना एक लाख कमाने वाले ग्राहक धारणा सूचकांक (आईसीएस) जून तिमाही में 5.3 फीसदी बढ़ा है। एक से दो लाख कमाने वाले परिवारों का सूचकांक 2.3 फीसदी बढ़ा है।

मध्य वर्ग यानी दो से पांच लाख कमाने वाले परिवारों के सूचकांक में 1.5 फीसदी व 5 से 10 लाख कमाने वालों के सूचकांक में 0.3 फीसदी तेजी आई है। आय समूहों में उपभोक्ता भावनाएं बेहतर हो रही हैं, लेकिन गैर जरूरी खर्च यानी जो इच्छा से किए जाते हैं उनकी धारणा में कमी आई है। जो लोग 10 लाख भी कमा रहे हैं, उनमें भी यही रुझान देखा गया। मध्यम वर्ग में निराशा में मामूली वृद्धि हुई है।

बैंकों के गैर खाद्य कर्ज में 50 प्रतिशत कमी की आशंका- जून तिमाही में बैंकों का गैर खाद्य ऋण 2.6 लाख करोड़ रुपये हो सकता है। यह पिछली तीन जून तिमाहियों के 4.7 से 7 लाख करोड़ रुपये से कम है। हालांकि, सितंबर तिमाही में फिर बढ़कर 4.2 लाख करोड़ से अधिक होगा। अप्रैल-मई में सेवा क्षेत्र का कर्ज 758 अरब रुपये घट गया है।

जून में उपभोक्ता धारणा मजबूत होने से उपभोग खर्च में होगी अधिक वृद्धि

जून, 2025 में आईसीएस दो प्रतिशत तक बढ़ा। आईसीएस के रुझान से पता चलता है कि उपभोग खर्च में वृद्धि हो सकती है। परिवार अपनी मौजूदा आर्थिक स्थितियों के बारे में तेजी से आशावादी हो गए हैं। ग्रामीण और शहरी भारत दोनों की धारणाओं में तेजी देखी गई है। एक साल पहले की तुलना में वित्तीय रूप से बेहतर महसूस करने वाले परिवारों का अनुपात जून तिमाही में बढ़कर 37.6 प्रतिशत हो गया, जबकि पिछली तीन तिमाहियों में यह औसत 34.5 प्रतिशत रहा था। जो लोग मानते हैं कि वे बदतर स्थिति में हैं, उनका हिस्सा 1.9 प्रतिशत घटकर 9.3 प्रतिशत रह गया।

पर्सनल कर्ज की रफ्तार में तेज वृद्धि, 2,200 अरब होने की उम्मीद

अप्रैल-मई 2025 में पर्सनल लोन वितरण 1,376 अरब रुपये था। जून तिमाही में यह 2,200 अरब और सितंबर तिमाही में 2,300 अरब रुपये से अधिक हो जाएगा। यह पिछली तीन जून तिमाहियों में 1,342 से 1,852 अरब था। रेपो दर में कटौती का लाभ खुदरा ऋणों तक तेजी से पहुंचेगा। इससे पर्सनल लोन की मांग में वृद्धि की उम्मीद है।

सोने के गहने के बदले लिए जाएंगे ज्यादा कर्ज

पर्सनल लोन की मांग को होम लोन तथा सोने और आभूषणों के बदले कर्ज से मजबूत समर्थन मिलेगा। मई में सोने और आभूषणों के बदले ऋण की मांग बढ़कर रिकॉर्ड 283 अरब हो गई। यह उछाल अप्रैल में सोने की कीमतों में सात प्रतिशत की वृद्धि से हुई। अगली तिमाही में भी मजबूत मांग बने रहने की संभावना है। पर्सनल लोन में सबसे बड़ा हिस्सा होम लोन का है। अप्रैल-मई, 2025 में होम लोन 536 अरब था। जून तिमाही में यह 890 अरब होगा। सितंबर तिमाही में होम लोन 1,000 अरब से अधिक हो सकता है।

गोल्डमैन सैश ने पूर्व पीएम ऋषि सुनक को बनाया वरिष्ठ सलाहकार, वैश्विक स्तर पर ग्राहकों को देंगे सलाह

नई दिल्ली, एजेंसी। गोल्डमैन सैश ग्रुप इंक ने कहा कि ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक वरिष्ठ सलाहकार के रूप में कंपनी में शामिल हो गए हैं। सुनक अक्तूबर 2022 से जुलाई 2024 तक प्रधानमंत्री रहे।

कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) डेविड सोलोमन ने मंगलवार को एक बयान में कहा, सुनक न्यूयॉर्क स्थित गोल्डमैन के नेतृत्व के साथ मिलकर वैश्विक स्तर पर ग्राहकों को कई विषयों पर सलाह देंगे। वह व्यापक आर्थिक और भू-राजनीतिक परिदृश्य पर अपने अद्वितीय दृष्टिकोण और अंतर्दृष्टि को साझा करेंगे।

प्रधानमंत्री बनने से पहले ऋषि सुनक फरवरी 2020 से जुलाई 2022 तक ब्रिटेन के वित्त मंत्री (चांसलर ऑफ द एक्सचेकर) रहे हैं। इसके पहले वे ट्रेजरी विभाग में मुख्य सचिव और आवास, समुदाय और स्थानीय सरकार में संसदीय उप-राज्य सचिव के पद पर काम कर चुके हैं। उन्होंने 2015 में संसद सदस्य बनकर अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की थी। पिछले साल के आम चुनाव में कंजर्वेटिव पार्टी को सबसे बड़ी हार के बाद भी सुनक अभी भी उत्तरी इंग्लैंड के रिचमंड और नॉर्थअलर्टन निर्वाचन क्षेत्र के सांसद के रूप में सेवा दे रहे हैं। चुनाव अभियान के दौरान उन्होंने वादा किया था कि संसद के अगले पूरे कार्यकाल के लिए वह सांसद बने रहेंगे, चाहे वोट का परिणाम कुछ भी हो। उनके उत्तराधिकारी, लेबर पार्टी के कीर स्टार्मर अगला आम चुनाव 2029 के मध्य तक कर सकते हैं। सुनक ने पहली बार गोल्डमैन में 2000 में निवेश बैंकिंग में समर इंटर्न के रूप में काम किया था।

काउंटर बॉय को मिलते थे 700 रुपये महीने, ऐसा क्या हुआ कि एक झटके में बदल गई जिंदगी, अब करोड़ों का कारोबार

नई दिल्ली, एजेंसी। मुंबई के विकेश शाह की कहानी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है। गरीबी, परिवार की जिम्मेदारियों और शुरुआती असफलताओं का सामना करते हुए उन्होंने अपनी दृढ़ता और उद्यमी भावना से बेकरी काउंटर बॉय से करोड़ों के टर्नओवर वाली 99 पैनकेक्स नाम की सफल पैनकेक चेन खड़ी कर दी है। यह कहानी सिर्फ एक व्यवसायिक सफलता की नहीं है। अलबत्ता, यह दर्शाती है कि कैसे जुनून, सीखने की इच्छा और चुनौतियों से न घबराने का जज्बा किसी भी व्यक्ति को शून्य से शिखर तक पहुंचा सकता है। विकेश ने न केवल अपने लिए नया रास्ता बनाया, बल्कि सैकड़ों लोगों को रोजगार भी दिया। साथ ही अपने परिवार के लिए एक बेहतर भविष्य सुनिश्चित किया। आइए, यहां विकेश शाह की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

कभी 700 रुपये की नौकरी की- विकेश शाह का सफर कठिनाइयों से भरा रहा। जब वह केवल पांच साल के थे, तब उनके पिता को शेयर बाजार में भारी नुकसान हुआ। इसके बाद परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी उनकी मां पर आ गई। इस कठिन समय में विकेश ने 10वीं कक्षा से ही काम करना शुरू कर दिया। चर्चगेट की एक बेकरी में काउंटर बॉय के रूप में उन्हें 700 रुपये महीने मिलते थे। अपनी पढ़ाई जारी रखते हुए वह 18 साल की उम्र तक उसी बेकरी में मैनेजर बन गए। उन्होंने अतिरिक्त पैसे कमाने के लिए ट्रैवल कंपनियों में काम करने से लेकर लाइटर और परफ्यूम बेचने तक कई तरह के काम किए। यह शुरुआती संघर्ष उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए जरूरी धैर्य और दृढ़ता सिखा गया।

ऐसे मिली पहली बड़ी कामयाबी- 1998 में विकेश शाह की बेकरी की नौकरी छूट गई। एक महीने तक उनके पास वड़ा पाव खरीदने के भी पैसे नहीं थे। सिर्फ सस्ते बन खाकर गुजारा करना पड़ा। यह उनके जीवन का सबसे मुश्किल दौर था। लेकिन, उन्होंने हार नहीं मानी। 1999 में मात्र 22 साल की उम्र में उन्होंने अपने दोस्त के घर से अपना पहला उद्यम बेक पॉइंट शुरू किया। यह एक बी2बी व्यवसाय था। इसमें वह मुंबई के प्रमुख कैटरर्स को कॉन्टिनेंटल डेसर्ट और पेस्ट्री की सप्लाई करते थे। व्यवसाय अच्छा चला। 2009 में उन्होंने हैप्पीनेस डेली नाम से अपनी खुद की एक केक शॉप खोली, जो आज भी चल रही है। यह उनके उद्यमी सफर की पहली बड़ी सफलता थी।

9 लाख की पूंजी से 99 पैनकेक्स की शुरुआत- 99 पैनकेक्स का आइडिया 2014 में एम्स्टर्डम की एक यात्रा के दौरान आया, जब विकेश शाह ने सड़क किनारे स्टॉल पर पैनकेक बनते देखा। उन्हें यह कॉन्सेप्ट इतना पसंद आया कि उन्होंने तीन दिनों में पैनकेक बनाना सीख लिया। 2016 में नोटबंदी के बाद जब उनका कैटरिंग व्यवसाय धीमा हो गया तब एक यूक्रेनी पड़ोसी ने उनके बनाए पैनकेक खाए और उन्हें रिटेल प्रोडक्ट के रूप में लॉन्च करने का सुझाव दिया। जून 2017 में विकेश ने 9 लाख रुपये के शुरुआती निवेश के साथ मुंबई के काला घोड़ा में पहला 99 पैनकेक्स आउटलेट खोला। शुरुआत में बिक्री कम थी। लेकिन, दोस्तों को बुलाकर भीड़ दिखाने और धीरे-धीरे ग्राहकों की पहचान बढ़ने के साथ व्यवसाय ने रफ्तार पकड़ी।

अब करोड़ों का साम्राज्य

आज 99 पैनकेक्स के पांच राज्यों और 10 शहरों में 40 आउटलेट हैं। इनमें से 30 फ्रेंचाइजी-स्वामित्व वाले हैं। कंपनी में लगभग 70 लोग काम करते हैं। इसका टर्नओवर करोड़ों में है। हालांकि, कोरोना की महामारी के दौरान कारोबार प्रभावित हुआ था। यह घटकर 7 करोड़ रुपये रह गया था। लेकिन, विकेश ने इसे फिर से पटरी पर ला दिया। अब विकेश शाह शानदार जिंदगी जी रहे हैं। अपने सपनों का घर और क्रस्र्ड्ड जैसी कारें भी खरीद चुके हैं। उनकी यह यात्रा दर्शाती है कि विपरीत परिस्थितियों में भी अगर व्यक्ति में सीखने की ललक, नवाचार की भावना और कड़ी मेहनत करने का जज्बा हो तो वह एक साधारण बेकरी काउंटर बॉय से भी करोड़ों का कारोबार खड़ा कर सकता है।

लॉर्ड्स में कपिल-धोनी-कोहली के क्लब में शामिल होंगे गिल!

लंदन, एजेंसी। भारत ने लॉर्ड्स के मैदान पर सबसे पहला टेस्ट 1932 में खेला था। अब तक 93 साल में टीम इंडिया ने इस मैदान पर कुल 19 टेस्ट खेले हैं और सिर्फ तीन जीते हैं। 12 मुकाबलों में भारतीय टीम को हार मिली है और चार टेस्ट ड्रॉ रहे हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का तीसरा टेस्ट लॉर्ड्स में गुरुवार से खेला जाएगा। इस टेस्ट की तैयारी को लेकर भारतीय टीम जमकर पसीना बहा रही है। भारत की प्लेइंग-11 में एक बदलाव तय माना जा रहा है। जसप्रीत बुमराह की वापसी होना तय है। वहीं, इस टेस्ट में शुभमन गिल और ऋषभ पंत जैसे बल्लेबाजों से भी काफी उम्मीदें होंगी। लॉर्ड्स में भारतीय टीम का पिछले कुछ दौरों पर रिकॉर्ड शानदार रहा है। 2021 में विराट कोहली की अगुआई में टीम इंडिया ने यहां ऐतिहासिक जीत हासिल की थी। अब उनके उत्तराधिकारी शुभमन गिल की कप्तानी में भी फैंस जीत की उम्मीद लगाए बैठे हैं। हालांकि, अब तक टीम इंडिया ने लॉर्ड्स के मैदान पर सिर्फ तीन टेस्ट ही जीते हैं। इन तीनों टेस्ट में अलग-अलग कप्तान रहे और अलग-अलग खिलाड़ियों को प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड भी मिला। आइए इस मैदान पर भारत के रिकॉर्ड के बारे में जानते हैं...भारत का लॉर्ड्स में रिकॉर्ड

भारत ने लॉर्ड्स के मैदान पर सबसे पहला टेस्ट 1932 में खेला था। अब तक 93 साल में टीम इंडिया ने इस मैदान पर कुल 19 टेस्ट खेले हैं और सिर्फ तीन जीते हैं। 12 मुकाबलों में भारतीय टीम को हार मिली है और चार टेस्ट ड्रॉ रहे हैं। भारत ने यहां कपिल देव की कप्तानी में 1986 में पांच विकेट से जीत हासिल की थी, जबकि 2014 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में टीम इंडिया ने लॉर्ड्स में 95 रन से मैच जीता था। साल 2021 में भारत ने यहां विराट कोहली की कप्तानी में 151 रन से जीत हासिल की थी। अब शुभमन गिल के पास लॉर्ड्स में जीत हासिल करने वाले चौथे भारतीय कप्तान बनने का मौका है। गिल की टीम के पास वह पूरा दमखम है, जिससे वह जीत हासिल कर सकते हैं। हाल ही में उनकी टीम ने एजबेस्टन में इतिहास रचा था। भारतीय टीम एजबेस्टन में टेस्ट जीतने वाली पहली एशियाई टीम बनी थी और गिल पहले एशियाई कप्तान बने थे। अब वह लॉर्ड्स में भी कमाल कर सकते हैं।

इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज को यकीन, फैब फोर में जगह बना सकते हैं शुभमन गिल

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज मार्क रामप्रकाश ने भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की शानदार बल्लेबाजी तकनीक को सराहा है। रामप्रकाश के मुताबिक गिल ने फैब फोर (विराट कोहली, जो रूट, स्टीव स्मिथ और केन विलियमसन) के दौर के बल्लेबाजों की जगह लेने की क्षमता दिखाई है। लीड्स में शुभमन गिल ने 147 और आठ रन की पारी खेली, जिसके बाद एजबेस्टन में 269 और 161 रन जड़ दिए। गुरुवार से लॉर्ड्स में शुरू हो रहे तीसरे टेस्ट से पहले, गिल ने पांच मैचों की सीरीज में 585 रन जोड़ लिए हैं।रामप्रकाश ने बुधवार को द गार्जियन में लिखा, हमें गिल की सिर्फ सहनशक्ति, स्किल और रन बनाने की भूख की सराहना ही नहीं करनी चाहिए, बल्कि एक युवा टीम के नए कप्तान के रूप में उदाहरण पेश करने की भी तारीफ करनी चाहिए। कप्तानी अक्सर किसी खिलाड़ी के प्रदर्शन पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है, लेकिन ऐसा लगता है कि इसी कप्तानी के चलते गिल अधिक फोकस्ड हो गए हैं। पिछले तीन हफ्तों में ही उन्होंने अपने टेस्ट करियर के तीन सर्वोच्च स्कोर बना दिए हैं। इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज ने कहा, हम एक ऐसे दौर के अंत की ओर बढ़ रहे हैं, जिसे तथाकथित फैब फोर (विराट कोहली, जो रूट, स्टीव स्मिथ और केन विलियमसन) ने लंबे समय तक प्रभावित किया है। अब ऐसे खिलाड़ियों की तलाश जारी है, जो उनकी जगह ले सकें। गिल ने दिखा दिया है कि वह उस स्थान को भर सकते हैं, और वह भी एक बेहद पारंपरिक शैली में। वह सभी फॉर्मेट खेलते हैं, बेहतरीन रूप से खुद को ढाल लेते हैं, लेकिन उनकी बल्लेबाजी की नींव एक क्लासिक तकनीक पर टिकी है।

यहां 93 साल में तीन टेस्ट जीता भारत

वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ढेरों शतक लगाएंगे: युवराज सिंह

लंदन, एजेंसी। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के दूसरे टेस्ट मैच में बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर खेले गए टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शानदार प्रदर्शन के बाद टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की सराहना की।गिल ने चौथे नंबर पर आसानी से जगह बना ली है, जो बल्लेबाजी क्रम में एक महत्वपूर्ण स्थान है और जिस पर सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली जैसे दिग्गज खिलाड़ी रह चुके हैं। गिल इस श्रृंखला में रन बनाने के मामले में शीर्ष पर हैं। उन्होंने दो टेस्ट मैचों की चार पारियों में 146.25 की औसत और 73 से अधिक के आक्रामक स्ट्राइक रेट से 585 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर तीन शतक और एजबेस्टन में 387 गेंदों पर 269 रन रहा। टीम इंडिया के टेस्ट कप्तान गिल के प्रदर्शन पर युवराज ने कहा, शुभमन गिल ने कमाल की कप्तानी की और बेहतरीन बल्लेबाजी की। मुझे उन पर बहुत गर्व है और मुझे यकीन है कि उनके पिता को भी उन पर गर्व होगा... मैं बहुत प्रभावित हूं... मुझे उम्मीद है कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ढेरों शतक लगाएंगे।

फ्लूमिनेंस को 2-0 से हराकर क्लब विश्व कप-2025 के फाइनल में चेल्सी

न्यू जर्सी, एजेंसी। फ्लूमिनेंस को 2-0 से मात देकर चेल्सी ने क्लब विश्व कप-2025 के फाइनल में अपनी जगह बना ली है। इस सेमीफाइनल मैच के हीरो जोआओ पेड्रो रहे। दोनों गोल इसी खिलाड़ी ने दागे। ब्लूज के नए सदस्य ने दोनों हाफ में शानदार गोल करते हुए ब्राजीलियन टीम की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। अब चेल्सी का सामना रियल मैड्रिड सीएफ और पेरिस सेंट-जर्मेन के बीच सेमीफाइनल मुकाबले की विजेता टीम से होगा। 70 हजार से ज्यादा फैंस से भरे स्टेडियम में चेल्सी को मुकाबले में अपनी पकड़ बनाने के लिए ज्यादा समय नहीं लेना पड़ा। शुरुआती 10 मिनट में उन्होंने गेंद पर कब्जा जमा लिया और कुछ मौके बनाए। जोआओ पेड्रो का पहला गोल 18वें मिनट में आया, उन्होंने 20 गज की दूरी से एक शॉट लगाकर फुटबॉल को गोलपोस्ट के कोने में पहुंचाया। 25वें मिनट में हरक्यूलिस ने गोल का शानदार मौका बनाया, लेकिन कुकुरेला ने गोललाइन पर क्लियर कर दिया। पहले हाफ के अंत में फ्लूमिनेंस को पेनल्टी मिली। रिने का क्रॉस चालोबा के हाथ से टकराया, लेकिन वीएआर चेक के बाद फैसला बदल दिया गया। जोआओ पेड्रो ने मैच का दूसरा गोल 56वें मिनट पर किया।

आईपीएल में इस्तेमाल किए गए फिल साल्ट के बल्ले को मंजूरी मिली, गेज टेस्ट में हो गया था फेल

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के सीमित ओवरों के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सहित पिछले दो वर्षों से जिस बल्ले का उपयोग कर रहे थे उसे शुरू में मैदान पर गेज परीक्षण में गलत पाया गया था, लेकिन बाद में आगे की जांच के बाद इसे मंजूरी दे दी गई। इंग्लिश काउंटी क्रिकेट में लंकाशर की तरफ से खेलने वाले 28 वर्षीय साल्ट ने इस साल की शुरुआत में रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु की पहली आईपीएल खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। आईपीएल 2025 में उन्होंने 13 मैचों में 403 रन बनाए थे, जो विराट कोहली (15 मैचों में 657) के बाद उनकी टीम के लिए दूसरे सबसे ज़्यादा रन थे। लंकाशर क्रिकेट ने एक बयान में कहा कि नॉर्थैंट्स स्टीलबैक्स के खिलाफ शुक्रवार को हुए विटैलिटी ब्लास्ट टी-20 मैच के दौरान साल्ट द्वारा इस्तेमाल किए गए बल्ले को क्रिकेट नियामक की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई (एसीयू) ने मंजूरी दे दी है।

यूरोप दौरे पर भारत-ए पुरुष हॉकी टीम की शानदार शुरुआत, आयरलैंड को 6-1 से धोया

आइंडहोवन, एजेंसी। भारत-ए पुरुष हॉकी टीम ने हॉकी क्लब ओरांजे-रूड में आयरलैंड पर 6-1 से शानदार जीत के साथ अपने यूरोप दौरे की शुरुआत की। भारत ने सभी चार क्वार्टर में शानदार प्रदर्शन किया और कोई भी गलती नहीं की। उत्तम सिंह ने टीम के लिए पहला गोल दागा और इसके बाद अमनदीप लाकड़ा ने टीम की बढ़त को और मजबूत किया। इसके बाद आदित्य लालागे ने लगातार दो गोल दागकर टीम को जीत दिलाई। फॉरवर्ड सेल्वम कार्थी और बॉबी सिंह धामी ने भी एक-एक गोल दागकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।भारत की चुस्त-दुरुस्त रक्षापंक्ति के सामने आयरलैंड सिर्फ एक गोल ही कर सका।भारत का अगला मुकाबला 9 जुलाई को आयरलैंड से होगा, जहां उसे एक और सकारात्मक परिणाम की उम्मीद होगी।

वर्ल्ड चैम्पियनशिप ऑफ लीजेंड्स शेड्यूल: भारत समेत 6 देशों की टीमें लेंगी हिस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स मैच शेड्यूल 2025-वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स का नया सीजन शुरू होने वाला है। 18 जुलाई से होने वाला यह टूर्नामेंट इस बार इंग्लैंड के 4 शहरों बर्मिंघम, नॉर्थम्प्टन, लीड्स और लीसेस्टर में खेला जाएगा। टूर्नामेंट की शुरुआत इंग्लैंड चैंपियंस और पाकिस्तान चैंपियंस के बीच होने वाले मुकाबले से होगी।टूर्नामेंट में इंडिया चैंपियंस समेत 6 टीमें हिस्सा लेंगी। इंडिया चैंपियंस की कमान युवराज सिंह संभालेंगे। टूर्नामेंट में हर टीम एक दूसरे से 1-1 मैच खेलेगी। जीतने वाली टीम को 2 अंक मिलेंगे। शीर्ष पर रहने वाली 4 टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगी। यहां वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स का पूरा शेड्यूल और इंडिया चैंपियंस समेत सभी टीमों का स्क्वाड दिया गया है।

इंडिया चैंपियंस की टीम

युवराज सिंह (कप्तान), शिखर धवन, सुरेश रैना, अंबाती रायुडू, गुरकीरत सिंह मान, यूसुफ पठान, स्टुअर्ट बिन्नी, इरफान पठान, रॉबिन उथप्पा (विकेटकीपर), हरभजन सिंह, पीयूष चावला, विनय कुमार, सिद्धार्थ कौल, अभिमन्यु मिथुन, वरुण एरोन।

पाकिस्तान चैंपियंस की टीम

शाहिद अफरीदी (कप्तान), शोएब मकसूद, मिस्बाह-उल-हक, आसिफ अली, शरजील खान, यूनिस खान, शोएब मलिक, अब्दुल रज्जाक, कामरान अकमल (विकेटकीपर), सरफराज अहमद (विकेटकीपर), आमिर यामीन, सोहेल तनवीर, सोहेल खान, वहाब रियाज, सईद अजमल।

ये है वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 का पूरा शेड्यूल

मैच संख्या	तारीख	टीमें	मैदान	समय
पहला मैच	18 जुलाई, शुक्रवार	इंग्लैंड चैंपियंस बनाम पाकिस्तान चैंपियंस	एजबेस्टन, बर्मिंघम	रात 9.00 बजे से
दूसरा मैच	19 जुलाई, शनिवार	वेस्टइंडीज चैंपियंस बनाम साउथ अफ्रीका चैंपियंस	एजबेस्टन, बर्मिंघम	शाम 5.00 बजे से
तीसरा मैच	19 जुलाई, शनिवार	इंग्लैंड चैंपियंस बनाम ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस	एजबेस्टन, बर्मिंघम	रात 9.00 बजे से
चौथा मैच	20 जुलाई, रविवार	इंडिया चैंपियंस बनाम पाकिस्तान चैंपियंस	एजबेस्टन, बर्मिंघम	रात 9.00 बजे से
पांचवां मैच	22 जुलाई, मंगलवार	इंडिया चैंपियंस बनाम साउथ अफ्रीका चैंपियंस	काउंटी ग्राउंड, नॉर्थम्प्टन	शाम 5.00 बजे से
छठा मैच	22 जुलाई, मंगलवार	इंग्लैंड चैंपियंस बनाम वेस्टइंडीज चैंपियंस	काउंटी ग्राउंड, नॉर्थम्प्टन	रात 9.00 बजे से
सातवां मैच	23 जुलाई, बुधवार	ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस बनाम वेस्टइंडीज चैंपियंस	काउंटी ग्राउंड, नॉर्थम्प्टन	रात 9.00 बजे से
आठवां मैच	24 जुलाई, गुरुवार	इंग्लैंड चैंपियंस बनाम दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस	ग्रेस रोड, लीसेस्टर	रात 9.00 बजे से
नौवां मैच	25 जुलाई, शुक्रवार	पाकिस्तान चैंपियंस बनाम दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस	ग्रेस रोड, लीसेस्टर	रात 9.00 बजे से
दसवां मैच	26 जुलाई, शनिवार	इंडिया चैंपियंस बनाम ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस	हेडिंग्ले, लीड्स	शाम 5.00 बजे से
11वां मैच	26 जुलाई, शनिवार	पाकिस्तान चैंपियंस बनाम वेस्टइंडीज चैंपियंस	हेडिंग्ले, लीड्स	रात 9.00 बजे से
12वां मैच	27 जुलाई, रविवार	साउथ अफ्रीका चैंपियंस बनाम ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस	हेडिंग्ले, लीड्स	शाम 5.00 बजे से
13वां मैच	27 जुलाई, रविवार	इंडिया चैंपियंस बनाम इंग्लैंड चैंपियंस	हेडिंग्ले, लीड्स	रात 9.00 बजे से
14वां मैच	29 जुलाई, मंगलवार	ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस बनाम पाकिस्तान चैंपियंस	ग्रेस रोड, लीसेस्टर	शाम 5.00 बजे से
15वां मैच	29 जुलाई, मंगलवार	इंडिया चैंपियंस बनाम वेस्टइंडीज चैंपियंस	ग्रेस रोड, लीसेस्टर	रात 9.00 बजे से
पहला सेमीफाइनल	31 जुलाई, गुरुवार	अभी तय नहीं	एजबेस्टन, बर्मिंघम	शाम 5.00 बजे से
दूसरा सेमीफाइनल	31 जुलाई, गुरुवार	अभी तय नहीं	एजबेस्टन, बर्मिंघम	रात 9.00 बजे से
फाइनल	02 अगस्त शनिवार	अभी तय नहीं	एजबेस्टन, बर्मिंघम	रात 9.00 बजे से

जिस विंबलडन मैच को देखने पहुंचे कोहली-अनुष्का, वहां अवनीत भी रहीं मौजूदं

लंदन, एजेंसी। भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली और अनुष्का शर्मा हाल ही में विंबलडन मैच देखने पहुंचे थे। उन्होंने सर्बिया के नोवाक जोकोविच और एलेक्स डि मिनोर के बीच हुए मुकाबले का लुत्फ उठाया। इस मैच को जोकोविच ने 1-6, 6-4, 6-4, 6-4 से जीता और क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। हालांकि, मैच के दौरान कोहली और अनुष्का की जो तस्वीरें वायरल हुईं, उसमें दोनों का मुंह लटका हुआ दिखा था। इस पर सोशल मीडिया पर जमकर प्रतिक्रियाएं आईं कि दोनों निराश क्यों हैं। अब एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। दरअसल, उस मैच को देखने अवनीत कौर भी पहुंची थीं। फैंस कोहली के निराश चेहरे और तस्वीर को इससे जोड़ रहे हैं। अवनीत कौर बॉलीवुड सेलिब्रिटी हैं, जिनके फोटो को एक बार कोहली ने लाइक करके अनलाइक कर दिया था। फिर कोहली ने फोटो लाइक करने को लेकर स्पष्टिकरण दिया था, जिससे जमकर बवाल हुआ था। दरअसल, इसी साल दो मई को विराट कोहली ने अवनीत की फोटो लाइक कर दी थी।

'जब हर 4 दिन में दाढ़ी रंगनी पड़ी', विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के फैसले पर तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली, एजेंसी। विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने के अपने फैसले के पीछे की वजह का खुलासा कर दिया। विराट कोहली ने लगभग दो महीने बाद 8 जुलाई 2025 को पहली बार इस मुद्दे पर बात की। विराट कोहली ने दाढ़ी के रंग का हवाला देते हुए संकेत दिया कि अब समय आ गया है कि वह खेल के लाल गेंद वाले प्रारूप से नाता तोड़ लें।

युवी के कार्यक्रम में इकट्ठा हुए दिग्गज क्रिकेटर्स

युवराज सिंह ने अपने फाउंडेशन के लिए धन जुटाने हेतु लंदन में एक कार्यक्रम का आयोजन किया था। इसमें कई वर्तमान और पूर्व क्रिकेट हस्तियां एक ही छत के नीचे इकट्ठा हुईं। गौतम गंभीर के नेतृत्व में सहयोगी स्टाफ सहित पूरी भारतीय क्रिकेट टीम मौजूद थी। कार्यक्रम में सचिन तेंदुलकर, क्रिस गेल, केविन पीटरसन, ब्रायन लारा और आशीष नेहरा जैसे सितारे भी शामिल थे।

शहर के बीचों-बीच स्थित आलीशान होटल से निकलने से पहले टीम इंडिया लगभग एक घंटे तक रुकी और कुछ मजेदार एक्टिविटीज में हिस्सा लिया। जब सभी लोग डिनर के लिए तैयार हो चुके थे और अन्य एक्टिविटीज के शुरू होने का इंतजार कर रहे थे, तभी विशाल स्क्रीन पर एक जाना-पहचाना चेहरा दिखाई दिया, जिसमें पूर्व भारतीय टेस्ट कप्तान विराट कोहली अपने दोस्त केविन पीटरसन के साथ खाना खाते हुए बातें करते नजर आए।

इसके बाद गौरव कपूर ने एक चैट सेशन का आयोजन किया, जिसमें भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री, क्रिकेटर युवराज सिंह, केविन पीटरसन, क्रिस गेल और डैरेन गॉफ शामिल हुए। शुरू में विराट कोहली मंच पर नहीं थे, लेकिन गौरव कपूर के आग्रह पर वह मंच पर आए और बाकी लोगों के साथ शामिल हो गए।

मैंने 2 दिन पहले ही दाढ़ी रंगी है : कोहली

बाद में क्रिस गेल के साथ एक खास मुलाकात में उन्होंने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने पर तब अनोखी प्रतिक्रिया दी जब गौरव ने कहा कि मैदान पर उन्हें सभी मिस करते हैं। विराट कोहली ने कहा, 'मैंने दो दिन पहले ही अपनी दाढ़ी रंगी है। जब आप हर चार दिन में अपनी दाढ़ी को रंगते हैं तो आपको पता चल जाता है कि यही सही समय है।' विराट कोहली के साथ उनके पूर्व कोच शास्त्री भी थे और दोनों ने भारतीय क्रिकेट टीम के साथ बिताए समय के दौरान मिले सहयोग के लिए एक-दूसरे की प्रशंसा की। विराट कोहली ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर के साथ अपने रिश्ते के बारे में विस्तार से बात की और बताया कि कैसे इसने उन्हें एक टेस्ट क्रिकेटर बनने और देश के लिए जो कुछ भी हासिल किया, उसमें मदद की।

रवि शास्त्री के बिना इतना शानदार नहीं होता करियर-कोहली

विराट कोहली ने कहा, 'सच कहूं तो अगर मैं उनके साथ काम नहीं कर रहा होताज तो टेस्ट क्रिकेट में जो हुआ वह मुमकिन नहीं होता। हमारे बीच जो स्पष्टता थी, वह मिलना बहुत मुश्किल है। क्रिकेटर्स के करियर में आगे बढ़ने के लिए यही सब कुछ है। अगर उन्होंने भी मेरा उतना साथ नहीं दिया होता जितना उन्होंने दियाज उन प्रेस कॉन्फ्रेंस में जहां उन्होंने आगे बढ़कर 'गोलियां' खाईं, ज्तो चीजें अलग होतीं और मेरे क्रिकेट के सफर में एक अहम हिस्सा होने के लिए मेरे मन में उनके लिए हमेशा सम्मान और आदर रहा है।'

विराट कोहली ने 12 मई 2025 को की थी टेस्ट से संन्यास की घोषणा

12 मई को इंस्टाग्राम पर जारी एक संदेश में विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। एक ऐसा प्रारूप जिसका उन्होंने अपने पूरे करियर में समर्थन किया। उन्होंने कहा था, 'इस प्रारूप से संन्यास लेना आसान नहीं है, लेकिन यह सही लगता है। मैंने इसमें अपना सब कुछ लगा दिया है और इसने मुझे मेरी उम्मीद से कहीं ज्यादा दिया है। मैं दिल से कृतज्ञता के साथ विदा ले रहा हूं- इस खेल के लिए, उन लोगों के लिए जिनके साथ मैंने मैदान साझा किया और हर उस व्यक्ति के लिए जिसने मुझे इस सफर में आगे बढ़ने का अहसास दिलाया। मैं अपने टेस्ट करियर को हमेशा मुस्कुराते हुए याद करूंगा।'

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

शिक्षा के प्रकाश से जीवन को आलोकित करने वाले

गुरुओं का आभार व्यक्त करती मध्यप्रदेश सरकार की अनूठी पहल

गुरु पूर्णिमा महोत्सव

कमला नेहरू सांदीपनि कन्या विद्यालय, भोपाल का लोकार्पण

एवं

विद्यार्थियों को निःशुल्क साइकिल वितरण शुभारंभ कार्यक्रम

मुख्य अतिथि

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

10 जुलाई, 2025 । दोपहर 12:30 बजे

कमला नेहरू सांदीपनि कन्या विद्यालय, भोपाल

तपोधरा मध्यप्रदेश ऋषि परंपरा की जीवंत धरोहर है। भारतीय संस्कृति में गुरु को ईश्वर से भी बड़ा माना गया है। हमारा प्रदेश **महर्षि सांदीपनि, जगतगुरु श्रीकृष्ण एवं अनेक कालजयी गुरुओं जैसे महर्षि वेद व्यास, अत्रि, अगस्त्य, च्यवन ऋषि, परशुराम, विश्वामित्र, दत्तात्रेय, ऋषि जाबाली, गालव ऋषि, पतंजलि, महावीर स्वामी, आदिशंकराचार्य, मत्स्येन्द्रनाथ, भर्तृहरि, चार्वाक, भरतमुनि, श्री वल्लभाचार्य, स्वामी हरिदास, गुरु नानकदेव, संत सिंगाजी, सेन भगत, संत रविदास, स्वामी जदरूप** आदि की तपोभूमि और कर्मस्थली रही है। उनके तप, त्याग और ज्ञान से हमारे देश-प्रदेश ने सदैव ही दिशा पाई है। गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर हम उन सभी पूज्य गुरुओं का सादर वंदन करते हैं। सभी प्रदेशवासियों को गुरु पूर्णिमा की हार्दिक मंगलकामनाएं।

- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

सीधा प्रसारण webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhypradesh @jansamparkMP JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

D-11061/25

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025